चैत्र शुक्ल पक्ष- 11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 262 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
29 मार्च 2026 रविवार

आज का मौसम
36.4 अधिकतम
18.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

जमीनी ऑपरेशन की तैयारी... मिडिल ईस्ट पहुंचे 3500 अमेरिकी सैनिक

तेहरान टाइम्स ने लिखा - नरक में आपका स्वागत है, अब ताबूत में वापस जाओगे...

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका के 3500 सैनिक मिडिल ईस्ट पहुंचे हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार ये सैनिक त्रिपोली जहाज के जरिए आए हैं। ये 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट का हिस्सा हैं। उनके साथ बड़े पैमाने पर लड़ाकू विमान और हथियार भी भेजे गए हैं। अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने कुछ अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि अमेरिका ईरान में कई हफ्तों तक चलने वाले जमीनी ऑपरेशन की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार ऑपरेशन में स्पेशल फोर्स के छापे और पैदल सैनिकों की कार्रवाई शामिल हो सकती है। हालांकि, इसे लेकर ट्रम्प प्रशासन ने अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

दूसरी ओर ईरान के अंग्रेजी अखबार तेहरान टाइम्स ने शनिवार को अमेरिकी सैनिकों की तैनाती को लेकर कहा है कि ये सैनिक ईरान की जमीन से ताबूत में वापस लौटेंगे। अखबार ने अपने फ्रंट पेज पर लिखा- नरक में आपका स्वागत है। दूसरी ओर ईरान ने शुक्रवार रात सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर बड़ा हमला किया, जिसमें कम से कम 10 अमेरिकी सैनिक घायल हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से दो सैनिकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अमेरिकी और अरब अधिकारियों के हवाले से सामने आई जानकारी के अनुसार, हमले के वक्त सैनिक बेस के एक भवन के अंदर मौजूद था। इसी दौरान मिसाइल और ड्रोन से हमला किया गया। एक मिसाइल सीधे एयरबेस पर गिरी, जबकि कई ड्रोन भी हमले में शामिल थे। इस हमले में अमेरिकी रीफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट को भी नुकसान पहुंचा है। यह इस जंग के दौरान इस एयरबेस पर दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले भी यहां मिसाइल स्ट्राइक हो चुकी है, जिसमें पांच रीफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट क्षतिग्रस्त हुए थे।

प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर बड़ा हमला 10 अमेरिकी सैनिक घायल

अमेरिका में सड़कों पर उतरे लोग

उधर अमेरिका में ईरान युद्ध और ट्रंप की नीतियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। 'नो किंग्स' आंदोलन के तहत पूरे अमेरिका में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। आयोजकों के मुताबिक सभी 50 राज्यों में 3200 से ज्यादा प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिनमें बड़े शहरों के साथ छोटे कस्बों की भी भारी भागीदारी रही। रिपोर्ट्स के अनुसार यह आंदोलन इस साल का तीसरा बड़ा विरोध प्रदर्शन है और इसमें लाखों लोगों के शामिल होने का अनुमान है। न्यूयॉर्क से लेकर छोटे शहरों तक फैले इन प्रदर्शनों से साफ है कि युद्ध और इमिग्रेशन नीति को लेकर लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

पाकिस्तान के टैंकरों को मिली छूट

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में पाकिस्तान को बड़ी छूट दी है। पाकिस्तान के झंडे वाले 20 जहाजों को इस जलमार्ग से गुजरने की अनुमति मिल गई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने इस बारे में जानकारी दी और इसे एक रचनात्मक और विश्वास बढ़ाने वाला कदम बताया। पाकिस्तानी विदेश मंत्री की यह घोषणा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के बीच लंबी टेलीफोन बातचीत के बाद हुई है। इस बीच दो एलपीजी टैंकर वाले जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते हुए भारत की ओर बढ़ रहे हैं। ईरान के हमलों की वजह से दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा जलमार्ग में से एक होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही लगभग पूरी तरह रुक गई थी। लेकिन इस हफ्ते ईरान ने कहा कि जो जहाज दुश्मन के नहीं हैं, वे ईरानी अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाकर इस रास्ते से गुजर सकते हैं।

ईरान जंग- ट्रम्प के बगैर पाकिस्तान के भरोसे सुलह कतई मुमकिन नहीं ....।

वॉर एनालिसिस
राजेश सिरोठिया

अमेरिका ने जंग रोकने के लिए पाकिस्तान को चौधरी भले बना दिया हो लेकिन ट्रम्प के सीधे दखल के बगैर यह उससे (पाक) कतई नहीं हो पाएगा। जंग रोकने की मौजूदा कोशिशों के बीच अब तक चुप बैठे यमन के हूती संगठन के ईरान के पक्ष में कूदने और ईजरायल पर मिसाइल हमले के बाद हालात सुधरने के बजाए और भी जटिल होते जा रहे हैं। हूती, ईरान के हिजबुल्लाह, शिया मिलिशिया और हमास की तरह ईरान परस्त और उसके द्वारा पोषित खतरनाक आतंकी संगठन माना जाता है। यमन के बड़े हिस्से में कब्जा करके बैठे हूती ईरान से पैसा और हथियार लेते हैं। इसके साथ वे यमन की खाड़ी और लाल सागर से गुजरने वाले व्यापारिक समुद्री जहाजों मे लूटपाट करने के लिए कुख्यात हैं।

ईरान की समुद्री सीमा में स्थित फारस की खाड़ी से सटे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की तरह लालसागर को हिंद महासागर की अरब की खाड़ी से 'स्ट्रेट ऑफ बाब-अल- मंडेब' जोड़ता है। यानि हूती अधिक आक्रामक हुए तो वे स्ट्रेट ऑफ बाब-अल- मंडेब से भी कच्चे तेल, गैस और रसद पानी की आवाजाही को रोक सकते हैं। इससे तकीबन 30 फीसदी कच्चा तेल और गैस लेकर कारोबारी जहाज यहीं से गुजरते हैं। बाब-अल-मंडेब यमन से सटा है। लाल सागर अदन की खाड़ी होते हुए दक्षिण में अरब सागर (हिंद महासागर) से और उत्तरी छोर पर स्वेज नहर और स्वेज की खाड़ी से सिनाई व्दीप, अकाबा की खाड़ी के जरिए भूमध्य सागर से जुड़ता है। कुल मिलाकर हिंद महासागर और भूमध्य सागर के बीच लाल सागर 1930 किमी लंबी एक संकरी पट्टी है। होर्मुज की तरह यहां से भी करीब 30 फीसदी माल का परिवहन होता है। कुल मिलाकर देखें तो रेड सी यानि लाल सागर भी केवल एक समुद्री मार्ग नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन के लिहाज से वैकल्पिक समुद्री मार्ग है। लेकिन व्यापारिक जहाजों के साथ ईजरायल पर हमला यह संकेत देता है कि ईरान से शुरू क्षेत्रीय संघर्ष अब वैश्विक अर्थव्यवस्था की धमनियों तक पहुँच चुका है। स्ट्रेट ऑफ बाब-अल- मंडेब अब असुरक्षा के साये में है। जहाजों का केप ऑफ गुड होप की ओर रूट बदलना न केवल समय और लागत बढ़ा रहा है, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव भी डाल रहा है।

यह संकट केवल यमन तक सीमित नहीं है। इसके पीछे इजरायल और ईरान के बीच चलते प्रॉक्सी वार की स्पष्ट झलक मिलती है। हूती खुद को गाज़ा संघर्ष में फिलिस्तीन के समर्थक के रूप में पेश करते रहे हैं। ऐसे हालात में पाकिस्तान की मिश्र और तुर्किए से बातचीत की कूटनीतिक पहल अहम जरूर है लेकिन निर्णायक कतई नहीं। सऊदी अरब और मिस्त्र क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं, जबकि तुर्किए अपनी मध्यस्थता क्षमता के लिए जाना जाता है। पाकिस्तान की खासियत यह है कि उसके ईरान से से संवाद के रास्ते खुले हैं। बावजूद इसके, इन चारों देशों के बीच रणनीतिक मतभेद और सीमित प्रभाव इस पहल को आंशिक बनाते हैं।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या पाकिस्तान इजऱाइल और ईरान के बीच पुल बन सकता है? वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान के पास तेहरान तक पहुँच है, लेकिन तेल अवीव (इजरायल) तक नहीं। वह प्रत्यक्ष मध्यस्थ नहीं, बल्कि परोक्ष संवाद का माध्यम बन सकता है। इसीलिए किसी भी ठोस समाधान के लिए अमेरिका और डोनाल्ड ट्रम्प की भूमिका अनिवार्य हो जाती है। इजराइल पर प्रभाव उसी का है। अमेरिका ही वह शक्ति है जो इजरायल के कदम पीछे खींच सकता है।

मुंबई-कोलकाता, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

तमिनलाडु की दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे विजय

चेन्नेई। अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय ने विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। विजय खुद तमिलनाडु की दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि वो त्रिची ईस्ट और पेरम्बूर से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं उन्होंने तमिलागा वेत्री कझगम के विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। पार्टी के महासचिव एन. आनंद टी नगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

पुलिस की भर्ती के दौरान दौड़ते समय युवक की मौत

बुलढाणा। महाराष्ट्र के पुणे में पुलिस भर्ती के दौरान बुलढाणा के युवक की दौड़ते समय मौत हो गई। देऊळगाव राजा तहसील के चिंचोली बुरकुल निवासी 23 वर्षीय पुरुषोत्तम भीमराव बुरकुल की पुणे में पुलिस भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने आया था।यह घटना पुणे के शिवाजीनगर मैदान में हुई, जहां पुरुषोत्तम 1600 मीटर दौड़ की परीक्षा में हिस्सा ले रहे थे। दो चक्कर सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद, तीसरे चक्कर के दौरान उन्हें अचानक दौरा (फिट) पड़ा और वे ट्रैक पर ही गिर पड़े।अधिकारियों द्वारा उन्हें तुरंत ससून अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आज का कार्टून

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई परियोजनाओं की सौगात

इंदौर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल की शुरुआत

इंदौर, एजेंसी

इंदौर में आज विकास के कई कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शहर के दौरे पर पहुंचे हैं। उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य शहर को बुनियादी सुविधाओं और तकनीकी विकास से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले विमानतल की सुविधाओं में विस्तार करते हुए नए टर्मिनल का विधिवत लोकार्पण किया। उन्होंने पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित कर इस नवनिर्मित भवन को जनता के लिए समर्पित

किया। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी, मंत्री तुलसी सिलावट और शहर के प्रथम नागरिक महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। नया टर्मिनल भविष्य में इंदौर की हवाई कनेक्टिविटी को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

नर्मदा परियोजना के चौथे चरण का शुभारंभ: मुख्यमंत्री का काफिला शहर के दशहरा मैदान की ओर रवाना हुआ। बढ़ती जनसंख्या और पानी की मांग को देखते हुए यहां नर्मदा परियोजना के चौथे चरण का शुभारंभ किया गया। यह परियोजना इंदौरवासियों की प्यास बुझाने और जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है।

तांबे के बर्तन में नशीला 'प्रसाद' और फिर रेप, खरात के खिलाफ आठवां केस दर्ज

नासिक. एजेंसी

नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां केस दर्ज हुआ है। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से 2.6 लाख रुपये ठग लिए। वहीं दूसरा केस महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया। महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ रेप किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी 2013 में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। 2022 में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे। शिकायत के मुताबिक मार्च 2024 में खरात ने उनसे कहा कि उनकी जन्म की तारीख की वजह से शादी में दिक्कत आई थी। इसके बाद खरात लगातार सलाह देने लगा। अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया और फिर रेप किया।

एल्डरमैन की घोषणा,25 जिलों के 123 नगर परिषदों में सूची जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लंबे इंतजार और मंथन के बाद आज नगरीय निकायों में एल्डरमैन के नामों की घोषणा कर दी गई है। प्रदेश के 123 नगर परिषदों में मनोनीत पार्षद नियुक्त किए गए हैं। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य की कुल 123 नगर परिषदों में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षदों) की नियुक्तियां की गई हैं। इन नियुक्तियों का आदेश मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 19 (1) (ग) के तहत जारी किया गया है। नवनियुक्त पार्षदों का कार्यकाल वर्तमान परिषद के कार्यकाल के साथ समाप्त होगा या आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। प्रत्येक नगर परिषद में अधिकतम 4 एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं। चंबल, बुंदेलखंड में फिलहाल लिस्ट होल्ड रखी गई है। कई निकायों में नामों को लेकर सहमति न बन पाने के कारण फिलहाल लिस्ट होल्ड रखी गई है। एल्डरमैन के नामों की घोषणा नगरीय निकाय में सबसे शुरुआती इकाई यानी नगर परिषद से की गई है।

कार पलटने के बाद आग लगी, एक ही परिवार के तीन लोग जिंदा जले

बालाघाट, एजेंसी

बालाघाट जिले में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें चलती कार दुर्घटनाग्रस्त होकर आग का गोला बन गई। इस हादसे में कार में सवार तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं एक 8 वर्षीय बच्ची सुरक्षित बच गई। यह हादसा बीती रात बैहर-मलाजखंड रोड पर केवलारी चौराहे के पास हुआ। एक चलती आल्टो कार अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और उसमें आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि अंदर बैठे लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल पाया।

राहगीरों ने बचाने की कोशिश की: हादसे के बाद कार आग का गोला बन गई। मौके पर मौजूद लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए कार के कांच तोड़कर तीन लोगों को बाहर निकाला। इनमें से दो लोग गंभीर रूप से झुलस चुके थे। लेकिन आग बहुत तेज होने के कारण तीन लोगों को बाहर नहीं निकाला जा सका और उनकी कार के अंदर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं एक 8 साल की बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

परिवार के साथ लौट रहा था चालक: जानकारी के अनुसार, कार चला रहा सीतम केलकर अपने गांव पोंडी (परसवाड़ा) से पौनी जा रहा था। पौनी में उसकी वेल्डिंग की दुकान है। वह तीन दिन पहले अपनी पत्नी और बच्चे के साथ गांव आया था और देर रात अपने माता-पिता के साथ वापस लौट रहा था। कार में पड़ोस की 8 साल की बच्ची भी सवार थी, जो अपने घर पौनी जा रही थी। बताया गया कि यह हादसा संभवतः चालक को नींद की झपकी आने के कारण हुआ। एक मोड़ के बाद कार सीधे सड़क से नीचे उतर गई और दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसके बाद उसमें आग लग गई।

सरकार की मंशा पर पानी फेरने को आमादा उसके अपने ही कारिंदे...!

सुनो सरकार
अनिल शर्मा

केंद्र और राज्य की सरकारें आम जनता से अपील कर रही हैं कि वे रसोई गैस की किल्लत को लेकर भयभीत न हों । घबराहट में सिलेंडर लेने के लिए आपाधापी करने से बचें। साथ ही बार-बार यह दावा भी दोहराया जा रहा है कि गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, लेकिन बावजूद इसके गैस एजेंसियों और उनके गोदामों के सामने से लोगों की कतारें कम नहीं हो रहीं। इन हालात में कल क्या होगा, सोचकर परेशान लोगों की घबराहट में सरकार के जिम्मेदार कारिंदे अपना फायदा देखने में जुट गए हैं। यही हाल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों के पेट्रोल पंपों पर डीजल को लेकर है। बड़ी संख्या में लोगों ने किल्लत के अज्ञात भय के चलते डीजल की जमाखोरी करके सप्लाई और डिमांड की चेन को बिगाड़ दिया है। जहां तक रसोई गैस की बात है, शासन- प्रशासन ने निर्बाध आपूर्ति के लिए पुख्ता इंतजाम कर रखे हैं । एक निश्चित अवधि यानि 35 दिन के बाद कोई भी उपभोक्ता सिलेंडर की बुकिंग कर सकता है। यह बुकिंग उपभोक्ता के कंज्यूमर नंबर से लिंक मोबाइल के मिस्ड कॉल से होगी । काल करते ही ओटीपी नंबर आयेगा। घर जैसे ही गैस सिलेंडर पहुंचेगा, ओटीपी बताने के साथ उसकी डिलीवरी हो जाएगी । यह व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। इसमें एजेंसी मालिक की तरफ से कोई गफलत की गुंजाइश नहीं है। सरकार ने इस व्यवस्था की निगरानी के लिए जिले के खाद्य नियंत्रक और जिला आपूर्ति अधिकारी की अगुवाई में कई इलाकों में नोडल अफसर भी नियुक्त किए हैं । उनका काम उपभोक्ताओं से बात कर यह सुनिश्चित करना है कि तय अवधि में उनके घर सिलेंडर पहुंचा या नहीं ? यदि कोई शिकायत मिले तो संबंधित एजेंसी पर एक्शन लें, लेकिन कलेक्टर के अधीन काम करने वाले खाद्य अधिकारी और नोडल अफसर आपदा में अवसर की तलाश में जुटे हैं । उपभोक्ताओं से भौतिक सत्यापन की बजाय एजेंसियों में छापामारी के अंदाज में जाकर धौंस जमा रहे हैं। उन्हें कानूनी कार्रवाई की धमकी दी जा रही है। कई स्थानों पर तो भोपाल के जिला खाद्य नियंत्रक चंद्रभान जादौन स्वयं ऐसा करते देखे गए हैं। उनके साथ उनका अमला तो रहता ही है, कुछ स्थानीय मीडिया के लोग भी रहते हैं। कुछ एजेंसी वालों की शिकायत यह है कि आला अफसरों और नेताओं के नाम पर उनसे एक साथ 3-4 सिलेंडर ले लिए गए, वो भी मुफ्त। जाहिर है,जिले के फूड अफसर से सिलेंडर की कीमत मांगने की हिमाकत एजेंसी वाले भला कैसे कर सकते हैं। जब भी कोई संकट आता है निरीह जनता ही पिसती है। भविष्य की चिंता में घुलती है और लाइनों में खड़ी हो जाती है। वैसे में सरकार भरोसा दिलाती है कि सब ठीक है , सब ठीक होगा। लेकिन संकट भरोसे का ही है। बातें चाहे जतनी हों, सामान्य तौर पर बुकिंग करने पर जब गैस नहीं मिल रही तभी लोगों की कतारें देखी जा रही हैं। दरोगा राज का झंडा बुलंद करते घूम रहे अफसरों को ऐसे ही हालात तो चाहिए। धौंस जमाकर जेब भरने का मौका जो मिल जाता है। सरकार जनता से अपील कर रही है, करती रहे। करनी भी चाहिए। लेकिन जमीनी स्तर पर जिन्हें कालाबाजारी रोकने और आम लोगों को राहत देने का काम सौंपा गया है, उनकी भी सख्त मॉनिटरिंग की जाए। आखिर, ऊपर के पदों पर बैठे अफसर सिर्फ बंद कमरों में बैठकर रिपोर्ट लेने के लिए तो नहीं हैं।

यात्रियों के लिए बढ़ेगी सुविधा और सुरक्षा

अब राजाभोज एयरपोर्ट पर आधुनिक अराइवल एरिया और फायर स्टेशन शुरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से नए अराइवल एरिया का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इसका लोकार्पण आज किया गया। अब यात्री इस सुविधा का उपयोग कर सकेंगे। नए अराइवल एरिया से यात्रियों को विमान से उतरने के बाद सीधे बाहर निकलने की सुविधा मिलेगी, जिससे उनका समय बचेगा और प्रक्रिया अधिक सुगम होगी। राजाभोज एयरपोर्ट अथॉरिटी ने डेवलपमेंट प्लान के तहत इस नए अराइवल एरिया का निर्माण कराया है। इस परियोजना पर करीब 23 करोड़ खर्च किए हैं। नए एरिया के शुरू होने से यात्रियों को भीड़भाड़ से राहत मिलेगी और आवाजाही पहले से अधिक तेज और व्यवस्थित होगी। इस आधुनिक सुविधा का लोकार्पण रविवार को नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन राजू ने वर्चुअल किया। एयरपोर्ट परिसर में इस अवसर पर एक औपचारिक कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। लोकार्पण के तुरंत बाद यह सुविधा शुरू कर दी जाएगी।

कन्वेयर बेल्ट से तुरंत मिलेगा सामान

नए अराइवल एरिया में कन्वेयर बेल्ट जोन भी तैयार किया गया है, जिससे यात्रियों को उनका सामान जल्दी और आसानी से मिल सकेगा। इससे इंतजार का समय कम होगा और यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा। एयरपोर्ट पर एक अपग्रेडेड फायर स्टेशन का निर्माण भी पूरा हो चुका है। इसका भी ऑनलाइन लोकार्पण केंद्रीय मंत्री द्वारा किया जाएगा। नए फायर स्टेशन में आधुनिक फायर फाइटर वाहनों को शामिल किया गया है, जिससे भविष्य में शुरू होने वाली इंटरनेशनल उड़ानों की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।

डिजी यात्रा सुविधा का भी हुआ लोकार्पण

एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार, डिजी यात्रा सुविधा का औपचारिक लोकार्पण भी इस मौके पर किया गया है। हालांकि, यह सुविधा पहले से ही यात्रियों के लिए उपलब्ध है और उपयोग में लाई जा रही है।

रसोई गैस पर अभी भी 'पैनिक'

सिलेंडर की दो दिन में ही 28000 बुकिंग, सप्लाई 70 फीसदी ही हुई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एलपीजी सिलेंडर को लेकर पैनिक जैसा माहौल है। कई शहरों में सिलेंडर की बुकिंग बढ़ गई है। अकेले भोपाल में ही 20 से ज्यादा गैस एजेंसियों पर सिलेंडर की बुकिंग दो से तीन गुनी तक बड़ी है। यहां सुबह से दोपहर तक लोगों की भीड़ लग रही है। पिछले 2 दिन में ही भोपाल में 28 से 30 हजार तक बुकिंग हो गई, जबकि सप्लाई 22 हजार तक ही है। इससे पेंडिंग बुकिंग का आंकड़ा 40 हजार तक पहुंच गया है। वहीं, घरों में सप्लाई भी 4 से 5 दिन में हो रही है।

पहले से दोगुनी बुकिंग

जिला खाद्य विभाग के अनुसार भोपाल में रसोई गैस को लेकर कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन पिछले 2-3 दिन में बुकिंग काफी बढ़ गई है। पहले से लगभग दोगुनी बुकिंग हो रही है। वहीं, सप्लाई 11 हजार सिलेंडर की है। इस कारण हर रोज 3 हजार तक पेंडिंग बुकिंग चल रही है। हालांकि, गैस पर्याप्त है। भोपाल में ही एजेंसियों के पास 5 से 6 दिन का स्टॉक है। भौंरी स्थित ऑयल डिपो से सिलेंडर की सप्लाई भी जारी है।

मिलने लगा क्रेडिट, ईंधन का संकट नहीं

मध्य प्रदेश पेट्रोल पंप ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने बताया कि भोपाल में पिछले दो-तीन दिन से पंप ड्राई हो रहे थे। यह स्टॉक की कमी की बजाय से नहीं, बल्कि कंपनियों को एडवांस राशि नहीं देने की वजह से था। कंपनियां अब क्रेडिट

दे रही है। इसलिए पर्याप्त मात्रा में ईंधन पंपों पर आ रहा है। शनिवार को कहीं से भी पंप ड्राई होने की खबरें नहीं आई। भोपाल में 192 पंप पर पर्याप्त ईंधन रहा। उन्होंने बताया कि अफवाहों के चलते ईंधन की खपत में तेजी जरूर आई है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में भीड़ अपेक्षाकृत कम है, लेकिन खपत करीब 25त्न तक बढ़ गई है। लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं, जिससे दबाव बढ़ रहा है। इस वजह से पेट्रोल की ही रोज की खपत 15 से 20 लाख लीटर तक पहुंच गई है, जबकि सामान्य दिनों में यह 9 लाख लीटर तक है।

वॉइस ओवर व स्टोरी टेलिंग सेंटर के शुभारंभ

लोक व्यवहार में हमेशा ही संवाद की अहमियत और उसकी बुनियादी जरूरत रही है: उपाध्याय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लोक व्यवहार में हमेशा ही संवाद की अहमियत और उसकी बुनियादी ज़रूरत रही है। एक आदर्श व्यक्तित्व की पहचान हमेशा आवाज़ की अदायगी और उसकी भाषायी संवेदना और शिष्टाचार से की जाती है। मल्टीमीडिया के इस दौर में आवाज़ के कौशल और उसकी रचनात्मक उपयोगिता की संभावनाएँ तेज़ी से बढ़ती जा रही हैं। सही प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और अभ्यास से आवाज़ के हुनर को निखारा जा सकता है। यह आवाज़ों को नई परवाज़ देने का दौर है।

प्रसिद्ध उद्घोषक, वॉइस ओवर मेंटर तथा कला समीक्षक विनय उपाध्याय ने ये महत्वपूर्ण सूत्र युवा प्रशिक्षुओं को दिए। एम.पी. नगर स्थित

सारनाथ कॉम्प्लेक्स में वॉइस ओवर तथा स्टोरी टेलिंग सेंटर के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों से संवाद करते हुए उपाध्याय ने कहा कि आवाज़ तो प्रकृति से मिला उपहार है लेकिन महत्वपूर्ण होता है उसका उचित प्रयोग। ध्वनि, शब्द, संवेदना और विचारों के उचित संतुलन से कही गई बात का असर होता है। विनय उपाध्याय ने इस तारतम्य में कहा कि सुनने, पढ़ने और बोलने के अंदाज़ को लगातार निखारते रहने से याददाश्त भी पैनी होती है। सकारात्मक सोच और ज्ञान की जिज्ञासा आपके संवाद को रोचक, प्रभावी तथा सार्थक बनाते हैं। ग़ौरतलब है कि इस केन्द्र का संयोजन टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र द्वारा किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के इस पहले और अनूठे प्रकल्प का ट्रेनर सुपरिचित स्टोरी टेलर तथा वॉइस आर्टिस्ट विभोर उपाध्याय कर रहे है। वे मुंबई से मल्टीमीडिया के विशेषज्ञों से प्रशिक्षित है। रेडियो चैनल के अलावा तथा मशहूर सिने अभिनेता पंकज त्रिपाठी के प्रॉडक्शन हाऊस में डिज़िटल एप के स्टोरी टेलर रहे हैं। वे 'शब्द राग' पोर्टल के संस्थापक-प्रशिक्षक भी हैं।

'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान और साइबर अपराध की रोकथाम के लिए किया सम्मानित

तीन राष्ट्रीय स्कॉच पुरस्कार से मप्र पुलिस सम्मानित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश पुलिस को जन-जागरूकता, डिजिटल गवर्नेंस एवं साइबर अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में उत्कृष्ट, नवाचार एवं प्रभावी कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर के तीन बड़े पुरस्कार मिले हैं। नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित ई-समन-वॉरंट मॉड्यूल कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पुलिस को तीन प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी' जन-जागरूकता अभियान को नशीले पदार्थों के विरुद्ध व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने एवं युवाओं को जागरूक करने के लिए सम्मानित किया गया। यह अभियान बीते साल जुलाई प्रदेशभर में संचालित किया गया, जिसके अंतर्गत बैनर-पोस्टर, एफएम रेडियो, डिजिटल मीडिया, ई-शपथ, रैली, नुक्कड़ नाटक, व्याख्यान एवं परामर्श शिविर जैसे विविध माध्यमों से व्यापक जागरूकता फैलाई गई। अभियान के दौरान कुल 15,143 कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 22.29 लाख नागरिकों एवं विद्यार्थियों तक प्रभावी संदेश पहुंचाया गया। इस उपलब्धि के

लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) डी. श्रीनिवास वर्मा ने यह सम्मान प्राप्त किया। इसी क्रम में डिजिटल गवर्नेंस एवं तकनीक आधारित पुलिसिंग को सुदृढ़ करने के लिए विकसित ' ई-समन/वारंट मॉड्यूल-अपराधिक न्याय प्रणाली में प्रमुख सुधार'परियोजना को भी स्कॉच अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस परियोजना ने आपराधिक न्याय प्रणाली में न्यायालय एवं पुलिस के मध्य समन/वारंट प्रक्रिया को पूर्णतः डिजिटल, त्वरित एवं पारदर्शी बनाकर एक महत्वपूर्ण सुधार किया है। पुलिस महानिरीक्षक, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो हरिनारायणचारी मिश्र ने यह सम्मान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, पुलिस आयुक्त कार्यालय भोपाल को 'सायबर अपराधों की रोकथाम एवं पहचान'परियोजना के लिए 'पुलिस एवं सुरक्षा' श्रेणी में स्कॉच सम्मान मिला है। भोपाल पुलिस द्वारा साइबर अपराध की रोकथाम एवं अन्वेषण में किए गए नवाचार, तकनीकी सुदृढ़ीकरण एवं परिणामोन्मुख कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। इस उपलब्धि का सम्मान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम) शैलेन्द्र सिंह चौहान ने प्राप्त किया ।

संतनगर

सिन्धी बोली बचाएंगे तो ही सिन्धी साहित्य बचा रहेगा - सिद्धभाऊ

हिरदाराम नगर. यदि सिन्धी साहित्य को बचाना है तो सिन्धी बोली की विशेष चिंता कर हमें घरों में बच्चों से सिन्धी में बात कर बच्चों में मातृभाषा के प्रति प्यार जगाना होगा, यह बात परम् श्रद्धेय सिद्धभाऊ ने सिन्धी साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम अंतरप्रांतीय सिन्धी साहित्य सम्मेलन के

शुभारंभ अवसर पर कही। दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ सिद्धभाऊ तथा विधायक भगवानदास सबनानी ने वरुणावतार श्री झूलेलाल, परम् सन्त हिरदाराम जी, हिंगलाज माता तथा माँ सरस्वती के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर देशभर के विभिन्न शहरों से आए 142 सिन्धी साहित्यकारों को संबोधित करते हुए विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि साहित्यकार अपने रचनाकर्म के माध्यम से हमारे वैभवशाली इतिहास और विभाजन उपरांत सिन्धी समाज के संघर्ष की दास्तान से नई पीढ़ी को परिचित कराएं। उदघाटन अवसर पर सिद्धभाऊ तथा सबनानी ने अकादमी द्वारा वर्ष 2022, 2023 एवं 2024 के लिए पूर्व में घोषित संत हिरदाराम साहित्य गौरव सम्मान से नारी लच्छवानी, नंदकुमार सनमुखानी व डॉ. नादिया मसंद को सम्मानित किया।सम्मानस्वरूप तीनो साहित्यकारों को शॉल, श्रीफल,प्रशस्ति पत्र व एक-एक लाख रुपये की सम्मान राशि चेक द्वारा प्रदान की गई। उदघाटन सत्र का संचालन कविता इसरानी ने किया। द्वितीय सत्र में सिन्धियत के संवर्धन में सिन्धी सन्त साहित्य के योगदान पर चर्चा हुई, इस विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. तुलसीदेवी ने कहा कि सन्त साहित्य के अध्ययन से न सिर्फ युवा पीढ़ी सिन्धी भाषा से परिचित होती है बल्कि उनमें संस्कार भी प्रबल होते हैं, सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार खीमन मूलाणी ने की तथा भूमिका नंदिनी पंजवानी ने प्रस्तुत की। तृतीय सत्र में सिन्धी साहित्य में राष्ट्रभक्ति के तत्व विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. कल्पना चेलानी ने कहा कि सेवा भावना की तरह राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना भी सिंधियों के अंतर्मन में कूट कूट कर भरी हुई है और इसके कई प्रमाण सिन्धी साहित्य में मिलते हैं।

साईंजी ने सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने का आव्हान किया

हिरदाराम नगर. वन ट्री हिल्स स्थित 'टेंपल ऑफ संबोधि' में चैत्र नवरात्रि पर्व का समापन आस्था और समर्पण के साथ हुआ। वेदांत संत लालसाईं जी के सानिध्य में आयोजित इस नौ दिवसीय अनुष्ठान का समापन भावपूर्ण रहा। पम छटा भी बिखेरी। समापन समारोह संत लालसाईं जी ने राष्ट्र कल्याण, मानवता की सेवा और सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में विश्व शांति और लोक-कल्याण हेतु सामूहिक प्रार्थनाएं की गईं। समाजसेवियों का सम्मान किया गया। लालसाईंजी ने समाजसेवी व आवास संघ के अध्यक्ष सुशील वासवानी और पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में समाजसेवी बसंत चेलानी, विजयनगर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारी नरेश परदासानी, सुभाष भावनानी, शंकरलाल आसुदानी, नरेश तोलानी, नंद दादलानी, पुरुषोत्तम हरचंदानी, राम माधु पारदासानी सहित श्रद्धालु मौजूद थे।

ओपीडी इलाज को भी कैशलेश प्लान में शामिल करने की मांग

भोपाल। मप्र शासन जल्दी ही प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने जा रही है। यह कर्मचारी संगठनों की पुरानी मांग थी। इसे पूरा करने के लिए मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ ने मोहन यादव को धन्यवाद दिया है। खास तौर से कोविड के बाद इस योजना की जरूरत तीव्रता से महसूस की जा रही थी। परंतु इस योजना का जो स्वरूप सामने आ रहा है उसमें केवल अस्पताल में भर्ती होकर कराये गये उपचार को ही बीमा योजना में कवर करने की बात कही जा रही है। संघ का कहना है कि आजकल बहुत सारी बीमारियां ऐसी हैं जिनका उपचार डाक्टर को समय-समय पर दिखाकर घर पर ही किया जाता है। बीपी, शुगर, हार्ट प्राब्लम, जोड़ों का दर्द और सर्जरी के बाद की केयर इत्यादि में डाक्टर घर पर रहकर निरंतर दवाइयां लेते रहने का परामर्श देते हैं। मरीज नियमित रूप से डाक्टर को कंसल्ट करते रहते हैं और उनके द्वारा बताई गई दवाइयां अस्पताल में भर्ती हुए बिना घर पर ही लेते रहते हैं। अस्पताल में भर्ती होकर कराये गये इलाज की तुलना में इस तरह का ओपीडी इलाज अधिक होता है। अस्पताल में मरीज़ इमरजेंसी में ही भर्ती होता है। इन दवाइयों पर होने वाले खर्च के बारे में यह योजना मौन है। संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने मांग की है कि ओपीडी इलाज पर होने वाले व्यय के मामले में स्थिति स्पष्ट की जाये। इस इलाज को भी इस योजना में कवर किया जाये अथवा उसके लिए अन्य वैकल्पिक प्रावधान किये जाने से ही इस योजना का उद्देश्य पूर्ण हो सकेगा।

प्रदेश सरकार ला रही है सरकारी कर्मचारियों के लिए योजना

रानी कमलापति से झांसी तक निरीक्षण

वंदे भारत में 'कीड़े' मिलने के बाद एक्शन डीआरएम ने चेक की खाने की क्वालिटी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हाल ही में वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसे गए खाने, खासकर दही में कीड़े मिलने की शिकायत सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन सतर्क हो गया है। इसी क्रम में भारतीय रेलवे के भोपाल रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने वंदे भारत और शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों में व्यापक निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं का जायजा लिया।

मंडल रेल प्रबंधक ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से झांसी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस में फुटप्लेट निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोको पायलट के साथ संरक्षा मानकों का बारीकी से अवलोकन किया और यात्रियों से सीधे संवाद

कर खाने-पीने सहित अन्य सुविधाओं पर फीडबैक लिया।

खानपान की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान: हालिया घटना को देखते हुए खानपान की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि यात्रियों को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। इसके बाद झांसी में रनिंग रूम का निरीक्षण कर लोको पायलट और रेलवे स्टाफ को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया गया। मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्रू के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

मेट्रो एंकर

इंडीमून्स फेस्टिवल में एक्टर संजय मिश्रा की दमदार प्रस्तुति

'घासीराम कोतवाल' के जरिए सत्ता और समाज पर तीखा व्यंग्य

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के रवींद्र भवन में चल रहे इंडीमून्स आर्ट फेस्टिवल के तीसरे दिन नाटक 'घासीराम कोतवाल' का मंचन हुआ, जिसमें मशहूर अभिनेता संजय मिश्रा ने दमदार अभिनय किया। विजय तेंदुलकर द्वारा लिखा यह नाटक एक राजनीतिक और सामाजिक व्यंग्य है। 1972 में पहली बार मंचित हुआ यह नाटक सत्ता की ताकत, मानवीय मूल्यों और मनुष्य की लालसा पर सवाल खड़े करता है।

नाटक में हाल ही में चल रही गैस सिलेंडर की तंगी पर व्यंग्य और ईरान-अमेरिका-इजरायल के संघर्ष पर भी टिप्पणी की गई। नाटक तय समय से लगभग एक घंटे की देरी से शुरू हुआ, जिसके लिए अभिनेता संजय मिश्रा ने अंत में माफी मांगी। नाटक का केंद्रीय पात्र घासीराम एक महत्वाकांक्षी और चतुर

व्यक्ति है, जो अपनी राजनीतिक सूझबूझ और शब्दों की ताकत के सहारे कोतवाल के पद तक पहुंचता है। सत्ता के इस शिखर पर पहुंचते ही उसका व्यक्तित्व बदलता है और वह दमनकारी शासक के रूप में सामने आता है। गरीबों पर अत्याचार, अमीरों के प्रति पक्षपात और व्यक्तिगत स्वार्थों की पूर्ति ये सब उसके चरित्र के ऐसे आयाम हैं, जो धीरे-धीरे उसके पतन की नींव तैयार करते हैं। अभिनेता संजय मिश्रा ने थिएटर के बारे में बातचीत करते हुए बताया कि बैकस्टेज अपने आप में एक अलग दुनिया होती है, जहां से किसी भी प्रस्तुति की असली शुरुआत होती है। उन्होंने कहा कि लेखक के कहानी लिखने के साथ ही नाटक की शुरुआत हो जाती है। उनके अनुसार, थिएटर किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ा अभ्यास होता है, क्योंकि इसमें रिटेक की कोई गुंजाइश नहीं होती। इससे पहले संजय मिश्रा ने कहा कि भले ही आज लोग मोबाइल, वेब सीरीज और डॉक्यूड्रामा तक सीमित हो रहे हैं, लेकिन आर्ट फेस्टिवल आज भी लोगों को जोड़ने का मजबूत माध्यम हैं और उनकी अपनी अलग अहमियत बनी हुई है।

इजराइल-ईरान युद्ध के चलते रॉ मटेरियल की कीमतें 30 फीसदी तक बढ़ी

10-15 प्रतिशत उद्योगों में एक ही शिफ्ट में हो रहा काम, शटडाउन की बन रही स्थिति

इंदौर/भोपाल, दोपहर मेट्रो

इजराइल-ईरान युद्ध का असर अब मध्य प्रदेश के उद्योगों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। कच्चे माल की कीमतें 20 से 30 फीसदी तक बढ़ गई हैं। वहीं, लॉजिस्टिक लागत भी 5 गुना महंगी हो गई है। इसका सीधा असर उत्पादन और सप्लाई पर पड़ रहा है। एक्सपोर्ट के साथ-साथ घरेलू बाजार भी प्रभावित हो रहा है, जिससे तैयार माल की लागत बढ़ रही है और उत्पाद महंगे हो रहे हैं। कच्चे माल की कमी के कारण कुछ उद्योगों में शटडाउन की स्थिति बनने लगी है, जबकि 10 से 15 फीसदी फैक्ट्रियों अब दो की जगह एक ही शिफ्ट में काम हो रहा है।

सबसे ज्यादा असर फार्मा इंडस्ट्री पर पड़ा है। उदाहरण के तौर पर, सोमवार को पैरासिटामॉल पाउडर की कीमत 290 रुपए थी। अगले ही दिन दाम 360 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए। यानी लगभग 20 से 22 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसी तरह अन्य कच्चे माल और पैकेजिंग सामग्री, जैसे प्लास्टिक दाना और पीपी, के दाम भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अगर युद्ध लंबा खिंचता है और किसी भी एक जरूरी मटेरियल की आपूर्ति रुकती है, तो फैक्ट्रियों में शटडाउन की नौबत आ सकती है। फिलहाल, अगले 10 से 12 दिन तक स्थिति सामान्य रहने का अनुमान है। इसके बाद परेशानी बढ़ने की आशंका है। इंदौर एक प्रमुख औद्योगिक शहर है। यहां के पीथमपुर, सांवेर रोड और पालदा में 5600 से ज्यादा उद्योग हैं। इनमें फार्मा, केमिकल, मेटल और प्लास्टिक उद्योग कच्चे माल के लिए लगभग 60 फीसदी मिडिल ईस्ट पर निर्भर हैं। युद्ध के चलते बहरीन, कतर और सऊदी अरब से बल्क ड्रग, पेट्रोकेमिकल और अन्य इनपुट की सप्लाई प्रभावित हुई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में दिक्कत के कारण चीन और यूरोप से आयात भी प्रभावित है। तैयार माल के निर्यात में भी मुश्किल आ रही है। कंटेनर एक्सपोर्ट का खर्च 5 गुना तक बढ़ गया है।

कहीं रॉ मटेरियल नहीं, कहीं लागत ज्यादा

पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी ने बताया कि उद्योगों को एक साथ दो समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कहीं कच्चा माल मिल नहीं रहा, तो कहीं बहुत महंगा हो गया है। गैस की कमी के कारण फार्मा कंपनियों में इंजेक्शन उत्पादन प्रभावित हो रहा है। प्लास्टिक दाने की कीमत बढ़ने से कई यूनिट बंद होने की कगार पर हैं। 7 मार्च के बाद से कच्चे माल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। प्लास्टिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाला वर्जिन दाना (बोतल, ढक्कन, पाइप, फुटवियर बनाने में उपयोग) 30प्रतिशत तक महंगा हो चुका है। उद्योगपतियों का कहना है कि कीमत बढ़ने के बावजूद समय पर माल नहीं मिल रहा। फुटवियर उद्योग में लागत 20प्रतिशत तक बढ़ गई है, जबकि मुनाफा सिर्फ 5-7प्रतिशत है, जिससे नुकसान बढ़ रहा है।

मौजूदा हालात में ऑर्डर भेजने में परेशानी

उद्योग संगठनों के अनुसार इंदौर से प्रदेश का 40-50त्न एक्सपोर्ट होता है। हर महीने 80 हजार से अधिक कंटेनर कांडला और जेएनपीटी भेजे जाते हैं। वर्तमान में मिडिल ईस्ट, अफ्रीका और यूरोप से फार्मा, सोया और फूड प्रोसेसिंग के बड़े ऑर्डर हैं, लेकिन उन्हें भेजने में दिक्कत आ रही है। कंटेनर भाड़ा 4-5 गुना बढ़ गया है और इंश्योरेंस मिलना भी मुश्किल हो गया है। समुद्री और हवाई हमलों के खतरे के कारण कंपनियां बीमा देने से बच रही हैं। एयर कार्गो की क्षमता भी सीमित है। एलपीजी की कमी, पीएनजी पर बढ़ी निर्भरता एलपीजी संकट के चलते उद्योगों को इसकी सप्लाई रोक दी गई है। एलपीजी की कमी के कारण उद्योगों को पीएनजी पर निर्भर होना पड़ रहा है, लेकिन अब कंपनियां उधार की सुविधा बंद कर चुकी हैं। गैस अब नकद या तुरंत भुगतान पर मिल रही है। जबकि पहले 7 से 15 दिन का समय मिलता था।

महंगा पड़ रहा दवाओं का प्रोडक्शन

फार्मा उद्योग से जुड़े शैलेष मीणा ने बताया कि ग्लिसरीन की कीमत 64त्न और पैरासिटामॉल 26त्न तक महंगा हो चुका है। शिपिंग में देरी, कंटेनर की कमी और बढ़े फ्रेट चार्ज भी लागत बढ़ा रहे हैं। यूएई, सऊदी अरब और ओमान जैसे देश सस्ती दवाइयों के लिए भारत पर काफी निर्भर हैं, इसलिए इस स्थिति का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर भी पड़ सकता है। अगर युद्ध 10-15 दिन और चला तो जरूरी दवाओं की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है।

युद्ध लंबा चला तो उद्योगों पर और गहराएगा संकट

एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्री के सचिव तरुण व्यास के अनुसार, 7 मार्च के बाद से कच्चे माल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे उत्पादन लागत बढ़ रही है। मांग होने के बावजूद सप्लाई प्रभावित हो रही है और जल्द ही शटडाउन की स्थिति बन सकती है। फार्मा इंडस्ट्री और पीथमपुर औद्योगिक संगठन के डॉ. दर्शन कटारिया का कहना है कि फार्मा सेक्टर की निर्भरता केमिकल्स पर है, जो मुख्य रूप से खाड़ी देशों से आते हैं। वहां उत्पादन प्रभावित होने से कीमतें बढ़ रही हैं, हालांकि स्थिति जल्द सुधरने की उम्मीद है। फियो के पूर्व बोर्ड सदस्य सुबेर रामपुरवाला के अनुसार, मध्य प्रदेश से मिडिल ईस्ट में फूड प्रोसेसिंग और एग्रो उत्पाद बड़ी मात्रा में निर्यात होते हैं। समुद्री भाड़ा बढ़ने और इंश्योरेंस की दिक्कतों के कारण एक्सपोर्ट प्रभावित हो रहा है।

वित्त विभाग ने जारी की नई गाइडलाइन

बाबू-अफसर अब नहीं दबा सकेंगे फाइलें, 10 दिन में होगा निपटारा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा समय-समय पर जो घोषणाएं की जाती हैं या मुख्यमंत्री या मुख्य सचिव मानिट (समयसीमा) के जो मामले होते हैं, उन सभी से जुड़ी फाइलें वित्त विभाग में कोई भी अधिकारी एक समयसीमा से अधिक रोककर नहीं रख सकेगा। अधिकतम दस दिनों में फाइलों का निपटारा करके आगे बढ़ानी होंगी। इसके लिए वित्त विभाग ने अपने अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए मार्गदर्शिका तैयार की है।

इसमें सबके दायित्व को स्पष्ट किया गया है ताकि किसी भी स्तर पर कोई असमंजस की स्थिति ना रहे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, केंद्रीय मंत्री सहित विशेष व्यक्तियों से प्राप्त होने वाले पत्रों को तुरंत कार्रवाई करना होगा। इसका रिकॉर्ड भी तैयार किया जाएगा। कैबिनेट की बैठक में रखे जाने वाले विषयों की संक्षेपिका तैयार करना, विभागीय अभिमत समय पर देना, विभिन्न आयोगों से प्राप्त होने वाले प्रतिवेदन व अनुशंसाओं पर कार्रवाई सुनिश्चित करने, समितियों की बैठक समय पर संपन्न करवाना, अवकाश, पेंशन, सामान्य भविष्य निधि से जुड़े मामलों का समयावधि में प्रस्तुतीकरण सुनिश्चित करवाना अपर सचिव और उपसचिव का दायित्व होगा।

इसके साथ ही फाइलों के निपटारे की समय सीमा भी स्पष्ट कर दी गई है। इसमें मंत्री परिषद को भेजे जाने वाले प्रकरण, नई योजना के करणप्रकरण में 10 दिन, चिकित्सा की प्रतिपूर्ति के मामलों में अधिकतम पांच दिन, बजट राशि से संबंधित प्रतिबंध में पांच दिन, आहरण सीमा बीस प्रतिशत की कटौती, विदेश यात्रा की अनुमति की फाइल पांच दिन, मंत्री से जुड़ी नस्ती और अनुपूरक बजट के प्रस्ताव की फाइल को तीन दिन में आगे बढ़ाना होगा।

मनमाना पर्यवेक्षण शुल्क नहीं ले सकेंगे

वहीं, वित्त विभाग में निर्माण कार्यों पर लिए जाने वाले पर्यवेक्षण शुल्क को लेकर भी नई व्यवस्था बना दी है, जो एक अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी। 10 करोड़ रुपये से कम लागत वाले निर्माण कार्य की एजेंसी विभाग है तो तकनीकी स्वीकृति पर पर्यवेक्षण शुल्क शून्य रहेगा। जबकि, निर्माण एजेंसी शासन की कोई संस्था है तो यह एक प्रतिशत रहेगा। 10 करोड रुपये से अधिक के निर्माण कार्य में एजेंसी शासन होने पर पर्यवेक्षण शुल्क तीन प्रतिशत और अन्य संस्था होने पर छह प्रतिशत की दर से लिया जाएगा।

प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा इनके वितरण में किसी प्रकार की कमी या बाधा नहीं है। उन्होंने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है, जिससे ईंधन आपूर्ति में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आएगी। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता की स्थिति सामान्य है और सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोलऔर डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

भोपाल में होगा तीन राज्यों के युवा विधायकों का सम्मेलन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विधानसभा में युवा विधायकों का दो दिवसीय सम्मेलन 30 और 31 मार्च, 2026 को विधानसभा के विधान परिषद हाल में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्य में मध्यप्रदेश के 18, छत्तीसगढ़ के 15 तथा राजस्थान के 22 युवा विधायक सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 30 मार्च को उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन के प्रथम दिवस 'लोकतंत्र और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने के लिये युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर मंथन होगा। प्रथम दिवस माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी युवा विधायकों को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के दूसरे दिन 31 मार्च को 'विकसित भारत 2047- युवा विधायकों के दायित्व एवं चुनौतियां' विषय पर मंथन होगा। इस दिन अन्य सत्रों के अलावा एमआईटी पूना के चेयरमैन डॉ. राहुल वी. कराड का भी संबोधन होगा। समापन समारोह में राज्य सभा के उप सभापति श्री हरिवंश शामिल होंगे। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय एवं नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

स्थापना दिवस : हर विस के 50 बड़े गांवों में होंगे बीजेपी के सम्मेलन

7 से 12 अप्रैल तक गांव-बस्तियों में पहुंचेंगे मंत्री-विधायक, सांसद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

7 से 12 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में %गांव-बस्ती चलो अभियान% चलाया जाएगा। इस अभियान की कमान सीधे तौर पर क्षेत्र के दिग्गजों के हाथों में होगी, जिसमें सांसद, विधायक, महापौर और नगर पालिका अध्यक्षों से लेकर पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों को अनिवार्य रूप से मैदान में उतरने के निर्देश दिए गए हैं। इस रणनीति के जरिए भाजपा ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पैठ को और अधिक गहरा करने की तैयारी में है। 6 अप्रैल को बीजेपी के स्थापना दिवस को लेकर शनिवार को बीजेपी की वर्चुअल मीटिंग हुई। इस बैठक में सीएम डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर प्रदेश भर के बीजेपी पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इस अभियान के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 50 बड़े गांवों को चिन्हित कर वहां विशेष कार्यक्रमों की सूची तैयार की गई है। इन गांवों में जाने वाले नेता केवल जनसभाएं ही नहीं करेंगे, बल्कि पार्टी की नींव रखने वाले पुराने और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के घर जाकर उनका आदर-पूर्वक सम्मान भी करेंगे। इसके साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों के बुद्धिजीवियों और गणमान्य व्यक्तियों से सीधा संपर्क साधकर उन्हें पार्टी की विचारधारा से जोड़ा जाएगा। भाजपा का मानना है कि पुराने कार्यकर्ताओं का अनुभव और नए लोगों का उत्साह मिलकर संगठन को और अधिक अपराजेय बनाएंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित होंगे स्वच्छता कार्यक्रम

अभियान के दौरान गांवों के सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें पार्टी के बड़े नेता स्वयं झाड़ू थामकर श्रमदान करेंगे। इसके बाद चौपालों पर केंद्र की मोदी सरकार और एनडीए शासित प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं एवं ऐतिहासिक उपलब्धियों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि कार्यकर्ता केवल भाषण न दें, बल्कि उन लाभार्थियों से भी मिलें जिन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। इन लाभार्थियों के साथ जनसंपर्क कर उनके अनुभव के वीडियो बनाए जाएंगे और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा किया जाएगा ताकि सरकार के काम का वास्तविक असर जनता के सामने आ सके।

प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश टोली तैनात

इतने व्यापक स्तर के अभियान को सफल बनाने के लिए प्रदेश स्तर पर एक विशेष टोली का गठन किया गया है। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी को इस गांव/बस्ती चलो अभियान का विशेष प्रभार देते हुए सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। जिला स्तर पर भी कार्यक्रमों की योजना और क्रियान्वयन के लिए 4 सदस्यीय समितियां बनाई जा रही हैं, जिनमें 1 संयोजक और 3 सह-संयोजक होंगे। पार्टी ने इन समितियों में एक महिला सदस्य की भागीदारी को अनिवार्य किया है, ताकि महिला मतदाताओं और कार्यकर्ताओं के बीच अभियान का प्रभावी संदेश पहुंच सके।

परीक्षण के लिए चेन्नई भेजा गया प्रस्ताव

सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी और बैंगनी अरहर को जीआई टैग दिलाएगी मप्र सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की तीन फसलों सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी और बैंगनी अरहर को जीआई टैग दिलाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने तीनों फसलों के प्रस्ताव तैयार कर परीक्षण के लिए भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री चैन्नई भेजे हैं। कृषक कल्याण वर्ष 2026 में राज्य सरकार श्रीअन्न उत्पादन बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव जनजातीय बहुल क्षेत्रों में पारंपरिक कोदो-कुटकी को बचाने और उत्पादन करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

सिताही कुटकी एक कम अवधि (60 दिन) वाली लिटिल मिलेट (छोटी बाजरा) की देशी किस्म है। यह वर्षा-आधारित क्षेत्रों और देर से बुवाई की स्थितियों के लिए उपयुक्त है। यह सूखे की मार, नमी की कमी, और प्रमुख कीटों (शूट फ्लाई), ग्रेन स्मट व ब्राउन स्पाट जैसी बीमारियों का सामना करने में सक्षम है। सिताही कुटकी की मध्यम ऊंचाई और मोटे तने के कारण फसल के गिरने की समस्या नहीं रहती। डिंडौरी के बैगा तथा गोंड जनजातियों के किसानों के लिए अच्छी आय दे सकती है।

कृषि विवि ने तैयार किया है दस्तावेज

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर ने भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग के लिए दस्तावेज तैयार किया है। इससे राष्ट्रीय स्तर पर सिताही कुटकी का एक ब्रांड नाम स्थापित होगा। बाजार के नए अवसर खुलेंगे। इससे बाजरे की खेती करने वाले जनजातीय किसानों को आर्थिक लाभ होगा। नागदमन कुटकी डिंडौरी जिले में उगाई जाने वाली कुटकी की एक विशिष्ट स्थानीय किस्म है। यह अपने औषधीय गुणों और उच्च पोषण मूल्य के लिए जानी जाती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने बैतूल के शहीद भवन में सेहरा निवासी, भारतीय सेना की ईएमई कोर ग्वालियर में सूबेदार पद पर सेवारत दयानंद लिल्होरे के दु:खद निधन पर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

अवैध रिफिलिंग सेंटर्स पर भी चला डंडा

2500 में बेच रहे थे सिलेंडर खाद्य विभाग ने दबोचा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जिले में एलपीजी गैस की बढ़ती खपत के बीच घरेलू सिलिंडरों की कालाबाजारी भी जमकर हो रही है। गैस एजेंसियों पर काम करने वाले कर्मचारी उपभोक्ताओं से घरेलू सिलेंडर 1400 रुपये में खरीदकर 2500 रुपये में बेच रहे हैं। इसकी जानकारी खाद्य शाखा की टीम को लगी तो जिंसी इलाके में बड़ी कार्रवाई करते हुए सिलिंडरों की कालाबाजारी करने वाले कर्मचारियों को रंगे हाथों पकड़ा है। जिन्होंने पूछताछ में यह खुलासा किया है।

टीम ने दोनों के खिलाफ प्रकरण बनाते हुए वाहन, मोबाइल व सिलिंडर जब्त कर लिया है। इसके अलावा खाद्य विभाग की टीमों ने जवाहर चौक, करोंद सहित अन्य क्षेत्रों में एजेंसियों का निरीक्षण व अवैध रिफिलिंग सेंटरों पर कार्रवाई करते हुए सिलिंडर जब्त किए हैं। जानकारी के अनुसार खाद्य विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि जिंसी इलाके में दो लोग घरेलू सिलिंडरों की कालाबाजारी में लगे हुए हैं। जिनमें से एक युवक लोगों से चर्चा कर अपने साथी को फोन पर जानकारी देता है और फिर दूसरा युवक सिलिंडर उपलब्ध करवा देता है।जानकारी मिलने के बाद सहायक आपूर्ति अधिकारी अशोक सत्यार्थी टीम सहित जिंसी इलाके में पहुंचे और एजेंसियों पर निरीक्षण करने के साथ ही संदिग्ध युवकों की तलाश शुरू की। इसी बीच एक युवक फोन पर बातचीत करते हुए और दूसरा युवक दो पहिया वाहन से सिलिंडर लेकर पहुंचा। यह देखते ही टीम ने दोनों को पकड़कर सिलिंडर के बारे में पूछताछ शुरू कर दी, इस पर उन्होंने अपनी पहचान बरखेड़ी जहांगीराबाद निवासी सलमान खान व शालिक कुरैशी के रूप में बताई है।

दोपहर मेट्रो

सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की कला सिखाने शिक्षकों को दी गई प्रकृति शिक्षा

प्रकृति संरक्षण के लिए शिक्षकों का विशेष प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित मध्यप्रदेश प्रकृति संरक्षण शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमपीटीटीएनसी 2025-2028) के अंतर्गत शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2021 में हुए कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़-26 में प्रारंभ किए गए मिशन LiFE (लाइफ स्टायल फॉर एनवारनमेंट) के उद्देश्यों से प्रेरित यह प्रशिक्षण डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान (भोपाल) और पीसीपीसी के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। इसका लक्ष्य प्रकृति के अविवेकपूर्ण उपभोग के स्थान पर सचेत और विचारशील उपयोग को बढ़ावा देना है। शिक्षक प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को प्रकृति संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली के संबंध में प्रशिक्षित कर विद्यार्थियों को जिम्मेदार और जागरुक नागरिक के रूप में विकसित करना है।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की परिकल्पना पूर्व में आयोजित पन्ना नेचर कैंप्स की सफलता से प्रेरित हो कर की गई है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के सहयोग से संचालित इन शिविरों ने पन्ना टाइगर पुनर्स्थापन परियोजना की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लगभग 15 वर्षों तक चले इस प्रयास ने यह सिद्ध कर दिया कि संरक्षण कार्यों में समाज और समुदाय की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम में प्रकृति संरक्षण से जुड़ी वर्तमान चुनौतियों पर भी विस्तृत चर्चा की गई है। इसमें तेजी से बढ़ती जनसंख्या, आर्थिक विकास की तीव्र गति और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को प्रमुख कारण बताया गया। विकास की प्रक्रिया में पारिस्थितिकी सुरक्षा के उपायों को शामिल करना भी आवश्यक है, जिससे प्रकृति स्वयं को पुनर्जीवित कर सके।

पर्यावरण संरक्षण के संवैधानिक दायित्व पर फोकस

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस तथ्य पर विशेष जोर दिया गया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48(क) राज्यों को पर्यावरण की रक्षा और सुधार का दायित्व देता है, जबकि अनुच्छेद 51(ग) प्रत्येक नागरिक को प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करने और सभी जीवों के प्रति करुणा रखने का मौलिक कर्तव्य सौंपता है। इसके अंतर्गत वन, झील, नदियाँ और वन्यजीवों की सुरक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में रेखांकित किया गया है।

'ईको-सिटीजन' तैयार करने में शिक्षकों की भूमिका

शिक्षक प्रशिक्षण में बताया गया कि विद्यार्थी समाज में सकारात्मक परिवर्तन के सबसे प्रभावी वाहक होते हैं। शिक्षक उनके साथ सबसे अधिक समय बिताते हैं और उन्हें सही दिशा में प्रेरित कर सकते हैं। प्रशिक्षित शिक्षक विद्यार्थियों में भी प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित कर सकेंगे और ये विद्यार्थी भविष्य में जिम्मेदार और संवेदनशील ईको-सिटीजन के रूप में समाज में योगदान दे सकेंगे।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 29 मार्च 2026

हेल्थ एंड वेलनेस

रीढ़ की हड्डी की मसाज से असाध्य रोगों का इलाज सेराजेम थेरेपी

दुनिया भर में अलग-अलग तरह की कई थेरेपी प्रचलित हैं। सेराजेम थेरेपी इन्हीं में से एक है। दक्षिण कोरिया से शुरू हुई इस थेरेपी का इस्तेमाल आज पूरे विश्व में किया जा रहा है। इसे विश्व की सर्वाधिक पुरानी थेरेपियों में से एक माना जाता है। जाहिर है है अपने विशिष्ट गुणों के कारण ही इसका इस्तेमाल प्राचीनकाल से होता रहा है।

सेराजेम थेरेपी के इस्तेमाल से आप कई असाध्य रोगों का उपचार कर सकते हैं। आपको बता दें कि सेराजेम नाम से आज साउथ कोरिया में एक कंपनी है जो इस थेरेपी की मदद से 80 से भी ज्यादा देशों में लोगों का स्वास्थ्य सुधारने का काम कर रही है।

इसकी प्रोसेस में आज कई तरह के सुधार किए गए हैं, ताकि इसका इस्तेमाल आसानी से किया जा सके और इससे होने वाले लाभ का दायरा भी बढ़ाया जा सके। इसके लिए एक मशीन बनाई गई है जिसकी सहायता से काम और भी आसान हो जाता है। अब जो व्यक्ति अपनी बीमारी के कारण सेराजेम सेंटर तक आने में असमर्थ है, वह इस मशीन को अपने घर भी ले जा सकते हैं। शहर में बिना दवाई के निशुल्क थेरेपी से स्वास्थ्य सुधार होता है इसलिए पूरा विश्व इस पद्धति में विश्वास करता है।

कई वर्षों से शरीर रक्तवात (रुमाटेड ऑर्थराइटिस) से पीड़ित व्यक्ति को हालाँकि आयुर्वेदिक व तिब्बती दवाओं से फायदा होता रहा है लेकिन फिर भी इसके कई दुष्प्रभाव शरीर में नजर आने शुरू हो जाते हैं। शरीर में नजर आने वाले इन दुष्प्रभावों में से एक है कमर की जकड़न। लेकिन यदि आप इसका उपचार सेराजेम थेरेपी (Ceragem Therapy) से करवाएं तो आपको बेहतर परिणाम मिलते हैं। इस थेरेपी से रक्तवात के साथ शरीर के अन्य दोष भी ठीक होने का दावा किया जाता है।

कोई साइड इफ़ेक्ट नहीं

दावा है कि इस थेरेपी का कोई साइड इफैक्ट नही है। कम्पनी व थेरेपी को अमरीका से एफ.डी.आई सर्टिफिकेट प्राप्त है। इसके उपयोग से ब्लड प्रेशर,शुगर,ह्रदय समस्या, सरवाइकल, स्लिप डिस्क, साईटिका, जॉइन्ट पेन, अर्थरॉइडिस, मोटापा, कब्ज, थॉइराइड, पाइल्स के अलावा पीरियड्स की बिमारियों से निजात पाने में मदद मिलती है।

2700 ईसा पूर्वः चीनी तुई ना

मालिश का ज़िक्र एक और प्राचीन ग्रंथ में मिलता है , जो चीन का है और जिसका नाम है हुआंग दी नेई जिंग , जिसका अनुवाद ' पीले सम्राट का आंतरिक चिकित्सा का क्लासिक' है । शतपथ ब्राह्मण की तरह , यह ग्रंथ भी संभवतः पहली शताब्दी ईसा पूर्व से पहले नहीं लिखा गया था, लेकिन कहा जाता है कि इसकी उत्पत्ति लगभग 2700 ईस्वी में पीले सम्राट के शासनकाल के दौरान हुई थी। हुआंग दी नेई जिंग में , कुछ बीमारियों के उपचार में मालिश तकनीकों (विशेष रूप से तुई ना) की अनुशंसा की गई है।

इस चिकित्सीय पद्धति का इतिहास प्राचीन है। भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा में 3000 ईसा पूर्व से ही इसका उल्लेख मिलता है। मसाज का अभ्यास प्राचीन चीन, मिस्र, ग्रीक और रोमन साम्राज्यों और पूरे यूरोप में होता रहा है, और अंततः 18वीं शताब्दी में यह अमेरिका पहुंचा। समय के साथ, यह पद्धति विकसित होकर मन और शरीर के तनाव को दूर करने वाली सबसे लोकप्रिय चिकित्सा पद्धतियों में से एक बन गई है ।

भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा

माना जाता है कि मालिश का पहला उल्लेख भारतीय वैदिक ग्रंथ शतपथ ब्राह्मण में मिलता है। हालांकि इसका लिखित उल्लेख लगभग 700 ईसा पूर्व तक नहीं हुआ होगा, लेकिन विद्वान मौखिक परंपरा को इससे कहीं अधिक प्राचीन, लगभग 3000 ईसा पूर्व का मानते हैं। इस प्राचीन ग्रंथ में मालिश का वर्णन मिलता हैः 'यज्ञ के शरीर पर तरह-तरह के सुगंधित पदार्थों से मालिश की जाती है, फिर उस पर चर्बी छिड़की जाती है...' बाद में, इस पद्धति का उपयोग चोटों को ठीक करने, दर्द से राहत देने और बीमारियों को रोकने और उनका इलाज करने के लिए किया जाने लगा।

थेरेपी के काम करने का तरीका

जिस तरह पेड़ की मजबूती का आधार उसकी जड़ होती है, भवन की मजबूती का आधार उसकी नींव, गाड़ी का चैसिस ठीक उसी तरह मानव शरीर में रीढ़ की हड्डी आधार होती है। इसी रीढ़ की हड्डी पर हमारा स्नायुतंत्र होता है जिसकी देखभाल से हम शरीर का स्वास्थ्य उत्तम बनाये रख सकते है। सेराजेम थेरेपी में रीढ़ की हड्डी की मशीन द्वारा मसाज की जाती है।

यह मशीन स्वचालित होती है जो जहाँ ज्यादा जरुरत है वहां उसी अनुरूप मसाज करती है। मशीन बनाने वाली कम्पनी की रिसर्च टीम का मानना है कि इस मशीन द्वारा रीढ़ की हड्डी की मसाज कर कई रोग ठीक किये जा सकते है । वर्तमान में सेराजेम थेरेपी के 70 देशों में लगभग में 3000 सेंटर हैं। भारत में भी ज्यादातर शहरों में इनके निशुल्क सेंटर उपलब्ध है, जहाँ आप इस थेरेपी का फायदा उठाते हुए अपने शरीर को निरोग बना सकते है।

असाध्य रोगों में फायदा

इस थेरेपी में कई लोगों को असाध्य रोगों में बहुत फायदा हुआ है। लकवा के कारण हाथ पैर ऊपर उठाने में असमर्थ व्यक्ति इसकी सहायता से अपनी परेशानी दूर कर सकता है। आम तौर पर इस तरह के लोगों में एक सप्ताह के बाद ही फायदा नजर आने लगता है। इसी तरह कई अन्य प्रकार की समस्याएँ जो पुरुषों या महिलाओं को परेशान करते हैं जैसे घुटनों में दर्द आदि में पूरा फायदा मिलता है।

जीवन ज्योति

वह मुस्कान जो कभी समाप्त न हो, सफलता की निशानी है

श्री श्री रविशंकर
आध्यात्मिक गुरु

दुनिया में करोड़ों लोग हैं जो धन से सफलता तो पा लेते हैं लेकिन क्या वे वास्तव में सफल हैं। इनमें से अधिकांश अंतर्मन से सफल नहीं होते। असली सफलता तो वह मुस्कान है जो विपरीत परिस्थितियों में भी आपके चेहरे से ओझल न हो। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अपनी आधी सेहत धन कमाने में गंवा देते हैं और बाकी आधा धन उसी सेहत को वापस पाने में लगा देते हैं। यह बुद्धिमत्तापूर्ण जीवन नहीं है। असली सफलता तो आपके भीतर के उस आत्मविश्वास में है, जिसे दुनिया की कोई भी ताकत डिगा न सके। लेकिन यह मिलेगी कैसे।

ऐसा आत्मविश्वास, जिसे कोई भी हिला न सके वह सफलता का संकेत है। जीवन में निडरता भी सफलता का संकेत है। एक सफल व्यक्ति कभी चोरी नहीं करेगा, क्योंकि वह जानता है कि वह कहीं भी जाए, समृद्धि प्राप्त कर सकता है। जब यह विश्वास होता है कि 'मैं कहीं भी समृद्धि प्राप्त कर सकता हूँ', तो वह चोरी, कर-चोरी, भ्रष्टाचार आदि कोई भी ऐसा काम नहीं करेगा जिसका परिणाम अंततः कारागृह हो।

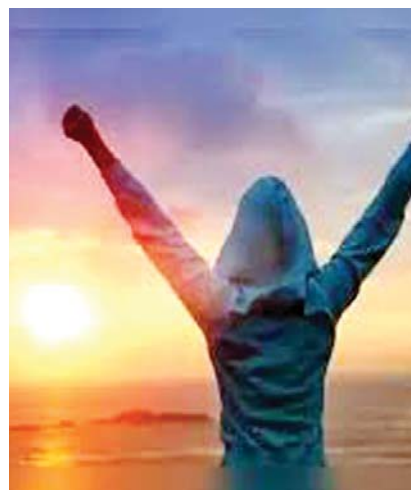

खुशी और सफलता एक दूसरे से जुड़ी होनी चाहिए। किसी व्यक्ति को देखिए. क्या वह जीवंत है? क्या उसके अंदर पर्याप्त प्राण (ऊर्जा) है? या वह इतना थका-हारा और टूटा हुआ दिखता है कि किसी काम का नहीं लगता? हो सकता है आपके पास बहुत धन हो, लेकिन आपको मधुमेह (डायबिटीज) है, कोलेस्ट्रॉल है, अनिद्रा है, उच्च रक्तचाप है तब आप सुख-सुविधाओं का आनंद भी नहीं ले पाते।

जब कभी व्यक्ति, स्थान या परिस्थितियाँ आपके विपरीत होती हैं, तब मनुष्य अक्सर उनसे प्रभावित होकर स्वयं भी दबाव में आ जाता है। व्यक्तियों परिस्थितियों से घिरकर हम कभी-कभी भीतर से बोझिल महसूस करने लगते हैं। लेकिन यदि ऐसे समय में आपका ध्यान ज्ञान और विवेक पर टिके, तो आप इन सब परिस्थितियों से बहुत सुंदर ढंग से बाहर निकल सकते हैं। यही ज्ञान का वास्तविक लाभ है। जब आपके पास ज्ञान और विवेक होता है, तब विपरीत परिस्थितियां भी आपको अधोगति की ओर नहीं ले जाती है बल्कि वे आपके लिए विकसित होने और
प्रगतिशील होने का अवसर बन जाती हैं। तब आप हर प्रकार की कठिन और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कुराते हुए आगे बढ़ सकते हैं और ऐसी परिस्थितियों में आपका व्यक्तित्व और भी अधिक निखरकर सामने आता है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 29 मार्च से 04 अप्रैल तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे लेकिन घर परिवार की कुछ निजी समस्याएं उनको मानसिक कष्ट दे सकती हैं ऐसे समय में आध्यात्मिक उपाय इष्ट देव की साधना गुरुजनों की शरण जैसे उपाय एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर कार्य करने से मन शांत होगा।

वृषभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अपने कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे युवा एवं रोजगार की तलाश में जुटे बेरोजगार अपने लक्ष्य के प्रति सजगता रखें तो उनको उत्तम स्टार की सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं आगामी दिनों में आपको कुछ बड़ी सफलताएं भी मिल सकती हैं भवन भूमि संबंधी कार्यों से आर्थिक लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन: राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ आर्थिक परेशानी का अनुभव कर सकते हैं व्यापार व्यवसाय अथवा जो भी आपका कार्य क्षेत्र है उसे धनागम में कुछ बढ़ाएं उपस्थित हो सकती हैं रुका हुआ धन प्राप्त करने में विलंब एवं जहां से नियमित धन प्राप्त होता है वहां भी कुछ व्यवधान आ सकता है अतः आए और व्यय में संतुलन बनाकर आपसी सामंजस्य बिठाकर वाणी पर विशेष संयम रखकर कार्य करने से सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: राशि के जातक आगामी सप्ताह में भ्रमण मनोरंजन मांगलिक कार्य अथवा धर्म स्थलों की यात्रा में व्यस्त रह सकते हैं आपके घर परिवार के सदस्यों और निजी लोगों के साथ उत्तम स्थान पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा घर परिवार का साथ मिलने से आपके मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा व्यापार व्यवसाय करने वाले जातकों को आर्थिक लाभ उत्तम स्टार का होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में संभाल कर चलने की आवश्यकता बनी रहेगी विशेष रूप से आर्थिक कर्म से आपके मन में चिंता अथवा अशांति का भाव रह सकता है निकट के परिजनों की आवश्यकता एवं वर्तमान परिस्थिति जन्य कर्म से आपको कठिनाई का अनुभव होगा ऐसे समय में अपने निकट के मित्रों का सहयोग आपको संबल प्रदान करेगा वरिष्ठ जनों एवं अधिकारियों से सही हो प्राप्त होगा।

कन्या: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में मिश्रित सफलता मिलने के संकेत बने हुए हैं आपकी कार्य क्षेत्र में व्यस्त था बढ़ेगी जिम्मेदारी एवं दायित्व पूर्ण स्थान प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं पद प्रतिष्ठा में वृद्धि आई में वृद्धि और उच्च पदस्थ व्यक्तियों से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं।

तुला: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता मिलने के संकेत हैं यदि आप सामाजिक राजनीतिक एवं राजकीय कार्यों में संलग्न है तो आपका अधिकार क्षेत्र में वृद्धि होगी पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी आए के साधन भी बढ़ेंगे घर परिवार में सुखद और मांगलिक वातावरण निर्मित होने के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह हमें उत्तम सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं आपके द्वारा विगत दिनों किए गए परिश्रम एवं सहयोग से आपके विशिष्ट कार्य संपन्न हो सकते हैं परिणाम स्वरूप मान सम्मान प्रतिष्ठा पदोन्नति जैसे कार्य संपन्न होंगे घर परिवार एवं कार्य स्थल के सहयोगियों के बीच में पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में भी सावधानी की आवश्यकता बनी रहेगी आपके द्वारा किए गए कार्यों से किसी भी व्यक्ति को असंतोष उत्पन्न हो सकता है अतः अपनी वाणी और अपने कार्यों को नियंत्रित कर कर कार्य करें आर्थिक हानि भी कष्ट दे सकती है आई और व्यय में संतुलन वाणी पर नियंत्रण वाहन आदि चलाने में भी विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बनी हुई है।

मकर: राशि के जातक विगत दिनों की अपेक्षा इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके द्वारा किए गए कार्यों से आपके घर परिवार को सुखद वातावरण मिलेगा साथी कोई विशिष्ट कार्य संपन्न होने से घर परिवार में मांगलिक वातावरण निर्मित होगा।

कुंभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अत्यधिक व्यस्तता का अनुभव कर सकते हैं मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी किसी नई विशेष जिम्मेदारी मिलने के भी संकेत मिल रहे हैं कार्यभार की अधिकता में अपने स्वास्थ्य खान-पान एवं दिनचर्या पर संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता वाणी रहेगी।

मीन: राशि के जातकों को अभी भी संभाल कर रहने की आवश्यकता बनी हुई है विशेष रूप से 50 वर्ष की आयु से अधिक उम्र के जातक एवं जाति कैन अपने दिनचर्या में रहन-सहन में अपने कार्यों में विशेष सावधानी रखें किसी भी कारण चोट चपेट अथवा शारीरिक व्याधि आपको परेशान कर सकती है अन्य कार्यों में व्यापार व्यवसाय आर्थिक कर्म में समस्याओं का निवारण होगा।

सूखे सन्नाटे में जीने का दुख, प्रतिष्ठा का खयाल और इज्जत का कचरा

दिया कबीरा रोय

सूर्यकुमार पांडेय
व्यंग्यकार

इन दिनों श्रीमती जी रोज ही ताने मारती रहती हैं। वह कहती हैं, आपको अपने खानदान की इज्जत का डालर बराबर भी खयाल नहीं। कभी तो ऐसा कुछ कीजिए कि हमारे दरवाजे पर भी दो-चार पुलिस वाले दर्शन दें। मोहल्ले में कभी हमारी नाक भी ऊंची हो। आय से अधिक संपत्ति के मामले में अपने पड़ोसी वर्मा भाई साहब के यहां छापा पड़ चुका। शर्मा जी के यहां से जमाखोरी का जखीरा बरामद हो चुका। चार मकान आगे वाले कुलकर्णी को तो भ्रष्टाचार की शिकायत पर सीबीआइ वाले दिन दहाड़े उठा ले गए थे। कोने वाले खन्ना जी ने तो सुनती हूं, ऐसी घोटालेबाजी कर रखी है कि ईडी की गिरफ्त में एक बार आए तो आज तक वहीं पर सवालों के जवाब दे रहे हैं।

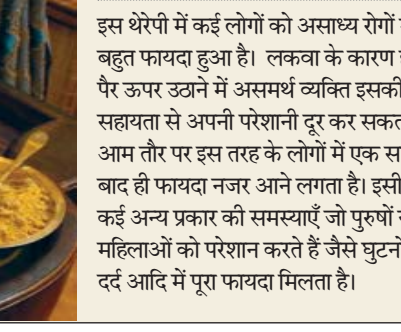

अब कालोनी में इकलौता हमारा ही दरवाजा रह गया है, जहां पर पुलिसिया चरण-रज नहीं पड़ी। एक बार तो उनके पांव छापेमारी के बहाने डलवा ही लीजिए। अब तो मुझे शर्म आने लग गई है। वर्माइन चिढ़ाती हैं। शर्माइन अपना मुंह फेर लेती हैं। मिसेज कुलकर्णी ऐंठी घूमती हैं। खन्ना की घरवाली ठीक से बात तक नहीं करती। आपको अपनी प्रतिष्ठा का तो खयाल है नहीं, मेरी इज्जत का तो कचरा मत कीजिए। सच कहती हैं श्रीमती जी। पत्नी का सम्मान रखना प्रत्येक पति का धर्म होता है तो मुझे भी ऐसा कुछ करना ही चाहिए कि घर-परिवार में शांति कायम रहे। मेरे मित्र मिश्राजी से मैंने इस बाबत चर्चा की। वह बोला, 'यार, परसों तक मैं भी इसी प्रकार की प्रतिष्ठा के सवाल में उलझा हुआ था। भला हुआ कि कल दो पुलिस वाले घर आ गए। अपनी तो नाक कटने से बच गई।' मैंने कहा, 'भाई मिश्रा, तुम तो शरीफ बंदे हो। तुम्हारे घर पुलिस वाले काहे को आए थे?' मिश्रा हंसता हुआ बोला, 'प्यारे भाई, मैंने अपने बेटे के रिवाल्वर के लिए आवेदन किया था। वे दोनों उसी के वेरीफिकेशन के लिए आए हुए थे। गली वालों को क्या पता, खुसर-फुसर करने लग गए।

एक-दो ने पूछा तो मैंने भी जानबूझकर गोलमोल जवाब दे दिया। उनको भरोसा हो गया, यह मिश्रा पक्का किसी जालसाजी में फंस गया है। 'अब मैं मोहल्ले में चौड़ा होकर निकलता हूं। हर दूसरा आदमी सलाम मारता है। पड़ोसियों के बदमाश छोरे पांव छूकर आशीर्वाद मांगते हैं। पड़ोसिन सम्मान की दृष्टि से देखती हैं। रिश्तेदारों को भी खबर हो ली है। बधाइयां मिल रही हैं। तो पांडेजी, तुम भी ऐसा करो कि येन-केन या फिर लेन-देन प्रकारेण अपने दरवाजे पर पुलिस के पांव पड़वा ही डालो। तभी घर वालों की ही नहीं, समाज की निगाह में सिर उठाकर जीने के लायक हो सकोगे।' सच बात है। आज के धिक्कारग्रस्त समय में वही व्यक्ति सीना चौड़ा करके रह सकता है, जिस पर दो-चार मुकदमे चल रहे हों, जो हवालात के सवालात पर अग्रिम रहे या फिर अग्रिम जमानत पर रहे, जिसका अखबारों में प्रथम पृष्ठ पर नाम छपे, जिसके चेहरे पर कैमरे की फ्लैश लाइट चमके, जिसके पीछे पुलिस पड़ी हो और आगे मीडिया वाले। वरना सूखे सन्नाटे में जीना भी कोई जीना है लल्लू! 'तो मुझे क्या करना चाहिए?'

मैंने अपनी अंतरात्मा से पूछा। वह अभी पूरी तरह से सोई नहीं थी। सो उसने तत्काल उत्तर दिया, 'अबे अहमक, समय के साथ चलना सीख। चौराहे का रुख कर। किसी ड्यूटी के पैबंद सिपाही को सौ-पचास का नोट पकड़ा। उसको अपने घर बुला ला। कहना, वर्दी में आए। दो-चार पड़ोसियों की काल बेल बजाए। उनसे तुम्हारे बारे में पूछताछ करे। यह न बताए कि किस वास्ते आया है? फिर देखना, तू रातोंरात किस तरह से सम्माननीयों की श्रेणी में सूचीबद्ध हो लेता है!' जागृत इंसान वही है, जो अपनी अंतरात्मा की आवाज को सुने। इसी अंतरात्मा की आवाज पर सैकड़ों नेताओं ने दल बदल किए। निष्ठाएं बदल लीं। घोटाले किए। कर रहे हैं। मैं भी अपनी प्रतिष्ठा में चार चांद लगाने के नाम पर दो पुलिस कर्मियों को पेशगी दे आया हूं। जल्द ही हमारे यहां भी पुलिस वाले आएंगे। हो सकता है, घर से दो आलुओं को सोना समझकर उनकी बरामदगी भी कर लें। अपनी प्रतिष्ठा दांव पर है। देखता हूं, बचती है कि लुटती है। **-साभार**

न्यू गैजेट

ऐपल का सरप्राइज, 200MP कैमरे से एंड्रॉयड को टक्कर!

आईफोन ना खरीदने वाले लोगों के पास हमेशा एक वजह ये होती है कि उसका कैमरा बाकी प्रीमियम एंड्रॉयड फोन्स के मुकाबले कहीं ना कहीं फीका पड़ जाता है। आजकल बाजार में अन्य कंपनियों के स्मार्टफोन्स में 200MP का कैमरा मिलता है और आईफोन का टॉप मॉडल आज भी 48MP कैमरा तक ही सीमित है। लेकिन कंपनी अब यूजर्स की इस शिकायत को भी दूर करने वाली है। आगे आने वाले समय में आईफोन में 200MP का कैमरा देखने को मिल सकता है। ऐसा लोकप्रिय टिप्सटर डिजिटल चैट स्टेशन का पोस्ट कह रहा है। Weibo पर Digital Chat Station की पोस्ट से संकेत मिले हैं कि Apple 1/1.2 इंच के सेंसर वाले एक नए 200MP कैमरे की टेस्टिंग कर रहा है।

टिप्सटर की पोस्ट के अनुसार, ऐपल ने 200MP कैमरे की टेस्टिंग करना शुरू कर दिया है। खात बात तो यह है कि सेंसर Samsung द्वारा Gala×4 S26 ltra और अपने अन्य फ्लैगशिप फोन में इस्तेमाल किए जाने वाले मौजूदा 1/1.3 इंच वाले 200MP ISOCELL सेंसर से भी बड़ा है। अगर टिप्सटर की रिपोर्ट सही साबित हुई तो iPhone के आने वाले मॉडल कम रोशनी में भी बेहतर तस्वीरें ले पाएंगे। साथ ही, ज्यादा से ज्यादा बारीकियां कैप्चर कर पाएगा और उसकी डायनामिक रेंज भी बेहतर होगी।

इसी साल जनवरी में, Morgan Stanle4 की एक रिपोर्ट में यह संकेत दिया गया था कि Apple सचमुच 200MP वाले कैमरे पर काम कर रहा है और उसकी योजना है कि वह साल 2028 तक इस iPhone को आम लोगों तक पहुंचा देगा। हालाँकि, अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि 200MP वाला यह कैमरा सिर्फ 'Pro' मॉडल्स तक ही सीमित रहेगा या फिर इसे बेस वेरिएंट्स में भी दिया जाएगा।

न्यूज विंडो

विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया: खंडेलवाल

नर्मदापुरम। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने शनिवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के तहत रामानंद गार्डन में आयोजित मंडल प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बदलते समय के साथ कार्यपद्धति में बदलाव किया है, लेकिन विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया।खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पं. दीनदयाल उपाध्याय और कुशभाऊ ठाकरे के जीवन से प्रेरणा लें तथा संगठन को मजबूत बनाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक कूटनीति की सराहना करते हुए कहा कि इससे राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत के अनुसार, कार्यक्रम माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम से शुरू हुआ। विभिन्न सत्रों में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने केंद्र की योजनाओं, जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने कार्यपद्धति, पूर्व जिला अध्यक्ष माधव दास अग्रवाल ने संगठन विस्तार तथा प्रदेश मंत्री राजो मालवीय ने वैचारिक अधिष्ठान पर मार्गदर्शन दिया।

राज्याभिषेक तथा विशाल भंडारे के साथ महामाई महोत्सव संपन्न

सिरोंज। श्री महामाई परिसर में चल रहे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शनिवार को भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच समापन हुआ। माता के दरबार में आयोजित श्री विद्या दुर्गा शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति, रामलीला एवं रासलीला के अंतिम मंचन, असत्य के प्रतीक रावण एवं कुंभकर्ण के वध के सजीव प्रसंग, भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक तथा विशाल भंडारे के आयोजन के साथ महामाई महोत्सव सम्पन्न हुआ। महामाई सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह महोत्सव इस वर्ष भी आस्था, भक्ति और सांस्कृतिक वैभव का अद्भुत संगम बना रहा। शनिवार को प्रातः से ही यज्ञ की पूर्णाहुति की तैयारियाँ प्रारंभ हो गई थीं। प्रधान पुजारी एवं धर्माचार्य पंडित नालिनी कांत शर्मा तथा अन्य यज्ञाचार्यों द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार एवं वैदिक रीति-रिवाजों के साथ महायज्ञ की पूर्णाहुति सम्पन्न कराई गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर नव कन्या पूजन का विशेष आयोजन किया गया। वहीं महामाई माता को 56 भोग का अर्पण भी किया गया। साथ ही साधु-संतों को ससम्मान भोजन कराकर उन्हें पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। श्रद्धालुओं के बीच भक्ति और सेवा का यह दृश्य अत्यंत भावपूर्ण रहा। सायंकाल ब्रज की परंपरा के अनुसार फूलों की होली का आयोजन किया गया। पिचकारियों में गुलाब जल भरकर श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक एक-दूसरे पर पुष्पों की वर्षा की। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और पूरा महामाई परिसर रंग-बिरंगे फूलों और भक्ति के उल्लास से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन द्वारा सुरक्षा, वाहन पार्किंग, पेयजल एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई। नगरपालिका प्रशासन, पुलिस प्रशासन, पीडब्ल्यूडी, जनपद पंचायत एवं राजस्व विभाग सहित समस्त प्रशासनिक अमले ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नगर में निकली कलशयात्रा का जगह-जगह किया स्वागत

सिरोंज। मातृशक्ति मंडल द्वारा भक्त मॉल कथा के पूर्व शनिवार को शहर में कलश यात्रा निकाली गई। शीतला माता मंदिर से से शुरू होकर से यात्रा मुख्य बाजार से होकर पंचकुइया स्थित गंगाबाई हायर सेकेंड्री स्कूल पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में युवतियों और महिलाओं ने अपने सिर पर मनभावन तरीके से सजे कलश स्थापित कर रखे थे। मुख्य मार्ग में जगह - जगह यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। वहीं साथ में चल रही बग्घी पर कथा व्यास गोवत्स्य पंडित अंकितकृष्ण तेनगुरिया विराजित थे। कथा स्थल पर पूजन, अर्चन और आरती उपरांत व्यास जी के मुखारबिंद कथा वचन प्रारंभ हुआ।

छिंदवाड़ा में बाघ की हत्या का खुलासा: पुलिस ने छह आरोपियों को किया गिरफ्तार

मवेशियों को नुकसान से बचाने बाघ की जहर देकर कर दी हत्या, खेत में मिली अवैध अफीम की खेती

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

तामिया क्षेत्र में बाघ की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी ने मवेशियों को नुकसान से बचाने के नाम पर बाघ को जहर देकर मार दिया और जंगल में दफना दिया। जांच में सामने आया कि जिस खेत में घटना हुई वहां अवैध अफीम की खेती भी की जा रही थी।

छिंदवाड़ा । जिले के तामिया क्षेत्र के छातीआम गांव में बाघ की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जिस खेत में बाघ को जहर देकर मारा गया, वहां अवैध रूप से अफीम की खेती भी की जा रही थी। वन विभाग की टीम को खेत में बड़ी संख्या में अफीम के पौधे मिले हैं। वन विभाग ने इस मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी, लेकिन 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इस देरी को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

वन विभाग की टीम 26 मार्च को बाघ की आखिरी लोकेशन के आधार पर छातीआम गांव पहुंची। यहां एक खेत में मृत बैल मिलने पर टीम को शक हुआ। इसके बाद डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया। डॉग स्क्वॉड की मदद से टीम आरोपी उदेसिंग के घर तक पहुंची। पूछताछ में आरोपी ने बाघ के शिकार की बात स्वीकार कर ली। आरोपी की निशानदेही पर टीम ने गांव से करीब 200 मीटर दूर जंगल में एक गड्ढे से बाघ का शव बरामद किया। बाघ को मारने के बाद उसे वहीं दफनाया गया था।

बाघ के होने से अफीम की खेती हो रही थी प्रभावित

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बाघ मवेशियों को नुकसान पहुंचा रहा था, इसलिए उसे यूरिया मिलाकर जहर दिया गया। हालांकि जांच में यह भी सामने आया है कि खेत में अवैध अफीम की खेती हो रही थी। इससे यह आशंका भी जताई जा रही है कि बाघ की मौजूदगी से यह खेती प्रभावित हो रही थी। बाघ के रेडियो कॉलर से आखिरी लोकेशन 3 मार्च को मिली थी। इसके बाद कोई गतिविधि दर्ज नहीं हुई। इसके बावजूद वन विभाग की टीम करीब 23 दिन बाद मौके पर पहुंची। इस देरी को लेकर विभाग की निगरानी प्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

डेढ़ साल पहले बांधवगढ़ से लाकर छोड़ा गया था बाघ

वन विभाग के अनुसार, मृत बाघ की उम्र करीब 4 साल थी। उसे डेढ़ साल पहले बांधवगढ़ से लाकर इस क्षेत्र में छोड़ा गया था। बाघ देनवा बफर और छिंदवाड़ा के वन क्षेत्र में लगातार घूम रहा था। पश्चिम वनमंडल के अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बाघ की मौत जहर से होने की पुष्टि हुई है।

केडीबीएम महाविद्यालय के रासेयो शिविर का समापन

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय सेवा योजना केडीबीएम महाविद्यालय इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम देवपुर में समापन अत्यंत भव्य, प्रेरणादायक एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह शिविर पूरे सप्ताह सेवा, अनुशासन, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का जीवंत उदाहरण बना रहा।

समापन समारोह में स्वयंसेवकों की ऊर्जा, उत्साह और उनके कार्यों की झलक ने उपस्थित सभी अतिथियों को प्रभावित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केडीबीएम डायरेक्टर श्रीमती श्वेता आनंद त्यागी की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही केडीबीएम चेयरमैन श्री आनंद त्यागी, महाविद्यालय के प्राचार्य शांताराम मराठा एवं महेश पटवा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया।अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा भाव, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करने का एक सशक्त माध्यम है। ऐसे शिविर विद्यार्थियों को समाज से जोड़ते हैं और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सेवा से जुड़े विभिन्न कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई। उनके समर्पण और अनुशासन को देखते हुए समापन समारोह में सभी स्वयंसेवकों को सर्टिफिकेट एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दो स्वयंसेवकों निखिल शर्मा एवं नितिन मालवीय को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं समर्पण भावना के लिए सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के रूप में सम्मानित किया गया। उनके सराहनीय कार्यों ने शिविर के सभी स्वयंसेवकों को बेहतर करने के लिए प्रेरित किया तथा पूरे शिविर का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम का प्रभावी एवं सुसंगठित संचालन कार्यक्रम अधिकारी सुजीत कुशवाह द्वारा किया गया, जिनके मार्गदर्शन में यह शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।अंत में सभी अतिथियों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। यह सात दिवसीय शिविर सेवा, समर्पण और सामाजिक जागरूकता का संदेश देते हुए स्वयंसेवकों के जीवन में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार कर गया।

हूटर लगी गाड़ी के बोनट पर बैठकर बीयर पीते युवक का वीडियो वायरल

रीवा। दोपहर मेट्रो

रीवा में अत्यावश्यक सेवाओं के लिए निर्धारित हूटर नवाबी ठाठ का जरिया बन गया है। यूपी-एमपी सीमा पर स्थित चाकघाट कस्बे का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें हूटर लगी गाड़ी के बोनट पर बैठकर युवक बीयर पी रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद अब हड़कंप मचा हुआ है। हालांकि इन युवकों की पहचान नहीं हो पाई है। वायरल वीडियो करीब तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। गाड़ी पर एक पद की नेमप्लेट भी लगी है लेकिन उसे कवर से ढका गया है।

चाकघाट कस्बे के यूपी बॉर्डर में कुछ युवक जीप में सवार होकर आए थे जिसके ऊपर हूटर लगा हुआ था। उन्होंने गाड़ी को हाईवे के ठीक किनारे रोका और बीयर निकालकर पीने लगे। एक युवक तो गाड़ी के बोनट पर बैठकर बीयर पी रहा था। वाहन में एक पदप्लेट भी लगी हुई थी जिसको कवर से ढका गया था। जिस वक्त हूटर लगी गाड़ी के बोनट पर बैठकर युवक बीयर पी रहा था तभी किसी ने अपने मोबाइल से वीडियो बना लिया जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वायरल वीडियो में एक युवक गाड़ी के बोनट पर बैठा तो नजर आ ही रहा है साथ ही एक अन्य युवक गाड़ी के गेट के पास हाथ में बीयर की बोतल लिए भी दिख रहा है।

वायरल वीडियो में वाहन का नंबर एमपी 19 जेड एल 849 नजर आ रहा है जबकि आखिरी का नंबर स्पष्ट नहीं है। आशंका जताई जा रही है कि किसी अधिकारी के कार्यालय में प्राइवेट वाहन लगा हुआ है जिसको लेकर ड्राइवर अपने दोस्तों के साथ दारु पार्टी कर रहा था। यह वाहन काफी देर तक चाकघाट कस्बे में खड़ा रहा और बाद में बीयर पीने के बाद उसमें सवार युवक चले गए। हूटर लगे वाहन में यह नवाबी ठाठ देखकर लोग हैरान रह गए। बता दें कि ये पहली बार नहीं जब इस तरह से सरकारी कार्यालय में लगे प्राइवेट वाहन में शराबखोरी की गई हो, इससे पहले भी कई बार इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। पुलिस फिलहाल हूटर लगी गाड़ी के बोनट पर बैठकर शराब पीने वाले युवक की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर मामला संज्ञान में आया है, मामले की जांच की जा रही है।

मोबाइल चलाने पर पिता ने टोका तो 16 साल के बेटे ने फांसी लगाकर दे दी जान

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

आजकल बच्चों में मोबाइल की लत बढ़ती जा रही है और मोबाइल से दूरी उन्हें बर्दाश्त नहीं होती है। ताजा मामला मध्यप्रदेशके राजगढ़ जिले का है जहां पिता के द्वारा मोबाइल चलाने पर टोकना 16 साल के बेटे को इस कदर नागवार गुजरा कि उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। युवक दो बहनों का इकलौता भाई था और बेटे के खुदकुशी करने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना राजगढ़ जिले के ब्यावरा क्षेत्र के बरखेड़ी गांव की है। यहां रहने वाले सावंत सिंह गुर्जर के 16 साल के बेटे सुमित गुर्जर ने घर में बने कुएं के अंदर पानी खींचने वाली रस्सी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। कुछ देर तक जब सुमित घर में नजर नहीं आया तो मां ने उसकी तलाश की। मां ने ही सबसे पहले बेटे को कुएं के अंदर फांसी पर लटका देखा। बेटे को फांसी के फंदे पर लटका देख मां की चीख निकल गई और घर में कोहराम मच गया। तुरंत परिवार के सदस्यों ने ग्रामीणों की मदद से सुमित को फांसी के फंदे से उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शनिवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

पिता ने मोबाइल चलाने पर लगाई थी डांट

देहात थाने के एएसआई गुलाबसिंह धाकड़ के अनुसार, सुमित बारवां गांव के शासकीय हाईस्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था। शुक्रवार शाम को वह अपने घर पर मोबाइल चला रहा था। इस पर पिता सावंत सिंह ने यह कहते हुए उसे डांट लगा दी थी कि, तू दिनभर मोबाइल चलाता रहता है, शाम हो गई थी। जा खलियान (एक किमी दूर पहाड़ी) से मवेशियों के लिए भूसा लेकर आ। इस पर सुमित मोबाइल फेंककर गुस्से में घर से निकला था और कुएं में फांसी लगाकर जान दे दी। ये घटना बच्चों में तेजी से बढ़ती मोबाइल की लत की वजह से हुई है। इस घटना ने पालकों को बच्चों में बढ़ती मोबाइल की लत को लेकर गंभीर चिंता में डाल दिया है।

नवीन सिविल अस्पताल को शुरू करने की मांग

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नवनिर्मित अत्याधुनिक सिविल अस्पताल भवन को शीघ्र प्रारंभ करने की मांग को लेकर जिला युवा कांग्रेस ने स्थानीय प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अस्पताल को तत्काल जनता के लिए चालू करने तथा आवश्यक स्टाफ एवं उपकरणों की व्यवस्था करने की मांग की गई। युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि करोड़ों रुपये की लागत से बने इस भव्य अस्पताल भवन का लोकार्पण हुए कई माह बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक इसे शुरू नहीं किया गया है, जिससे क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में संचालित पुराने अस्पताल में संसाधनों और मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है। स्थिति यह है कि सामान्य बीमारियों में भी मरीजों को विदिशा या भोपाल रेफर करना पड़ता है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी उठानी पड़

रही है। समय पर सरकारी उपचार नहीं मिलने से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा है कि यदि 7 दिनों के भीतर नवीन सिविल अस्पताल को पूर्ण रूप से शुरू नहीं किया गया तो संगठन जनहित में उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अमित सिंह, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पार्थ रघुवंशी, संतोष शर्मा, जगदीश सुहाने, विद्या यादव, योगेंद्र रघुवंशी, पृथ्वी रघुवंशी, सौदान सिंह यादव, अनिल पाठक, घनश्याम शर्मा, राजकुमार सेन, बंटी गुर्जर, दिनेश जैन, राघवेंद्र शर्मा (गुरु), नरेंद्र साहू, विकास यादव, बदल बघेल, ओम रघुवंशी, शशांक रघुवंशी, गौरव रघुवंशी, पवन अहिरवार, आकाश यादव, संजय गोस्वामी, शिवम मालवीय, अनुज दुबे, सुमित मालवीय, अंशु शर्मा, अनुज सिंह, पीयूष सिंह, सौरभ सेन, प्रिंस मिश्रा, केशव रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर आगामी 30 मार्च को परिषद की बैठक में रखा जाएगा प्रस्ताव

सम्पत्तिकर, जल एवं स्वच्छता शुल्क बढ़ाने की तैयारी, 14 करोड़ रुपए बकाया वसूली में बरती गई ढिलाई

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

अपने नागरिकों को आवश्यक पानी, गुणवत्ता पूर्ण सड़कें ओर साफ-सफाई देने में अब तक नाकाम नगर पालिका परिषद द्वारा सम्पत्तिकर, जल कर और स्वच्छता शुल्क बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। 30 मार्च को होने वाली नपा परिषद की आम बैठक में इन करों में वृद्धि के प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। नपा सूत्रों के अनुसार, यह कदम संस्था की माली हालत सुधारने के लिए उठाया जा रहा है। हालांकि, इसके उलट नपा पुराने बकायों की वसूली में नाकाम दिख रही है। सूत्र बताते हैं कि नपा पर करीब 14 करोड़ रुपये का पुराना बकाया लंबित है, जिसे वसूलने के लिए कोई ठोस प्रयास नजर नहीं आ रहे हैं।

करों में प्रस्तावित वृद्धि की भनक लगते ही स्थानीय स्तर पर विरोध की तैयारी शुरू हो गई है। रहवासियों का कहना है कि वर्तमान परिषद के तीन वर्षों के कार्यकाल में कुप्रबंधन के कारण शहर में

अव्यवस्थाएं बढ़ गई हैं। सड़कें खस्ताहाल हैं, पानी की आपूर्ति अनियमित है और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी बनी हुई है। ऐसे में करों में वृद्धि का प्रस्ताव लोगों को बेमानी लग रहा है। स्थानीय रहवासी मनीष मालवीय का तर्क है कि पहले मौजूदा सुविधाओं में सुधार किया जाए, उसके बाद ही अतिरिक्त बोझ डाला जाए। उद्योग संगठन महामंत्री नीरज जैन ने बताया कि नपा द्वारा संपत्तिकर बढ़ाने का बोझ सीधा कारखानों पर पड़ेगा, हम इसका विरोध करते हैं क्योंकि नपा द्वारा हमे कोई सुविधा नहीं दी जा रही है। नपा सीएमओ प्रशांत जैन ने बताया कि नपा के बढ़ते खर्चों और विकास कार्यों को देखते हुए राजस्व बढ़ाने के लिए परिषद में प्रस्ताव रखा जाएगा, पारित होने के बाद ही यह लागू होगा।

न्यूज विंडो

हर हफ्ते समाधान का दावा, ज़मीन पर समस्याएं जस की तस, जनता में नाराज़गी

अनूपपुर। अनूपपुर शहडोल उमरिया में आम जनता की समस्याओं के निराकरण को लेकर हर हफ्ते आयोजित हो रही जनसुनवाई और समीक्षा बैठकों पर अब सवाल उठने लगे हैं। लोगों का आरोप है कि शिकायतें दर्ज तो की जा रही हैं, लेकिन उनका वास्तविक समाधान नहीं हो पा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई मामलों में महीनों से आवेदन लंबित हैं, बार-बार अधिकारियों के चक्कर लगाने के बावजूद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। वहीं दूसरी ओर हर हफ्ते समाधान और संतोषजनक निराकरण के दावे किए जा रहे हैं, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह गई है। समस्याएं जस की तस हैं, लेकिन बैठकों और रिपोर्टों में सब कुछ ठीक दिखाया जा रहा है। लोगों ने इसे ÷नौटंकी÷ बताते हुए कहा कि यदि वास्तविक कार्रवाई नहीं हो सकती, तो ऐसे आयोजनों का क्या औचित्य है। जनता ने प्रशासन से मांग की है कि केवल बैठकें और आंकड़े पेश करने के बजाय जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

एक महीने पहले पति को समझाया अब फंदे पर लटकी मिली नवविवाहिता

दमोह। जिले के हटा के खमरगौर गांव में 19 वर्षीय नवविवाहिता का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही परिजन उसे तत्काल हटा सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग भी अस्पताल पहुंच गए और उन्होंने पति व ससुरालवालों पर प्रताड़ित करने के साथ ही हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हर हर से मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पन्ना जिले के थाना अमानगंज अंतर्गत ग्राम पिपरवाह निवासी आरती अहिरवार की शादी करीब दस महीने पहले खमरगौर

गांव के रहने वाले दशरथ चौधरी से हुई थी। मृतका आरती के परिजनों का आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद तक तो सबकुछ ठीक रहा लेकिन फिर ससुरालवालों ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया। पति व ससुरालवाले पैसों की मांग करते हुए आरती को प्रताड़ित करने लगे थे। आरती को जान से मारने की धमकियां देते थे, शुरूआत में तो आरती ने सबकुछ सहन किया लेकिन जब बात हद से गुजर गई तो अपने माता-पिता को ससुराल वालों के द्वारा प्रताड़ित करने के बारे में बताया था। परिजन के मुताबिक आरती के द्वारा प्रताड़ित किए जाने की बात बताए जाने के बाद हम उसे वापस माये ले आए थे। मृतका के भाई राकेश अहिरवार के अनुसार, लगभग एक महीने पहले आरती का पति दशरथ चौधरी मायके आया और आरती को वापस अपने साथ ले गया था। उस वक्त परिवारवालों ने दशरथ को साफ-साफ कहा था कि आरती को वापस ले जा रहे हो लेकिन उसे किसी भी प्रकार से प्रताड़ित मत करना। अब पता चला है आरती ने फांसी लगा ली है। भाई राकेश अहिरवार ने आरोप लगाया है कि पति दशरथ ने ही परिवारवालों के साथ मिलकर आरती की हत्या की है और शव को फंदे पर लटकाया है। थाना प्रभारी सौरभ शर्मा ने बताया कि महिला के फांसी लगाने का मामला सामने आया है। मर्ग कायम कर लिया गया है और परिजनों के बयान दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

भोजशाला में न्यायमूर्ति ने किया निरीक्षण...स्तंभों की नक्काशी बारिकी से देखी

शिलालेखों पर अंकित लिपि का अवलोकन किया एएसआई द्वारा चिह्नित स्थलों की ली जानकारी

धार। दोपहर मेट्रो

भोजशाला में शनिवार दोपहर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी सुरक्षा के कड़े घेरे में परिसर पहुंचे। आगामी 2 अप्रैल को होने वाली महत्वपूर्ण सुनवाई से ठीक पहले, जस्टिस शुक्ला ने करीब 53 मिनट तक भोजशाला के चप्पे-चप्पे का निरीक्षण किया। यह दौरा इस मायने में खास है कि कोर्ट ने किसी भी पक्ष की दलीलों पर अंतिम विचार करने से पहले स्वयं परिसर को ग्राउंड जीरों पर देखा।

न्यायमूर्ति दोपहर ठीक 1 बजकर 52 मिनिट पर बजे भोजशाला परिसर पहुंचे। उनके साथ जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी मौजूद रहे। निरीक्षण का उद्देश्य पूरी तरह निष्पक्ष रहकर वास्तुकला और ऐतिहासिक साक्ष्यों को समझना था। न्यायमूर्ति ने परिसर के भीतर स्तंभों की नक्काशी, भोजशाला के प्राचीन खंभों पर उकेरी गई आकृतियों को देखा जिसके बाद वहां मौजूद ऐतिहासिक शिलालेखों और दीवारों पर अंकित लिपि का बारीकी से अवलोकन किया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए 90 दिनों के सर्वे के निशानों और चिह्नित स्थलों की भी जानकारी ली।

भोजशाला के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही

16 मार्च को हुई पिछली में कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया था कि वह मामले की नियमित सुनवाई शुरू करने से पहले भौगोलिक स्थिति को खुद समझना चाहता है। बता दें कि हाई कोर्ट के आदेश पर एएसआई ने यहां 3 महीने से अधिक समय तक वैज्ञानिक सर्वे किया है। इस सर्वे की रिपोर्ट में कई ऐसे संरचनात्मक तथ्य सामने आए हैं, जिन्हें लेकर दोनों पक्षों के अपने-अपने दावे और आपत्तियां हैं। 2 अप्रैल से शुरू होने वाली नियमित सुनवाई में इन वैज्ञानिक साक्ष्यों पर नजर होगी। न्यायमूर्ति के दौरे को देखते हुए शनिवार को भोजशाला के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया था। प्रशासनिक अधिकारियों ने न्यायमूर्ति को परिसर की व्यवस्थाओं और एएसआई द्वारा अब तक किए गए संरक्षण कार्यों की तकनीकी जानकारी साझा की।

ओपीडी से गायब मिले डॉक्टर सीएमएचओ ने थमाया नोटिस

डिंडौरी। दोपहर मेट्रो

जिला अस्पताल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने ओपीडी समय में अनुपस्थित पाए गए 7 डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही इस पर उनसे 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के दो दिन पहले के निरीक्षण और व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देशों के बावजूद हुई है। डॉ. मनोज पांडे ने बताया कि उन्होंने शनिवार सुबह 9 बजे से 10:30 बजे के बीच ओपीडी का निरीक्षण किया। इस दौरान डॉ. अजय राज, डॉ. धनराज, डॉ. दिलीप रंगारे, डॉ. मिनी मोरवी, डॉ. कमलेश राज, डॉ. कन्हैया बघेल और डॉ. अमित जैन अपने ड्यूटी स्थल पर अनुपस्थित मिले।

आजीविका मिशन संयंत्र से निकला पोषण आहार डेयरी फार्मों पर कैसे पहुंचा? जांच के घेरे में आए जिम्मेदार

धार में दो निजी गोडाउन से भारी मात्रा में टेक होम राशन जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में शासकीय योजनाओं के राशन की हेराफेरी करने वाले माफियाओं के विरुद्ध कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में शनिवार को महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने नौगांव और तिरला थाना क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से भंडारण टेक होम राशन बरामद किया है। यह राशन निजी डेयरी फार्म हाउस के गोडाउन में छिपाकर रखा गया था।

पुलिस से मिली खुफिया जानकारी के बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी ने तत्काल दो टीमों का गठन किया। ग्राम आमखेड़ा में कैलाश पिता नंदराम टामकिया के डेयरी फार्म हाउस स्थित गोडाउन पर टीम ने छापा मारा। जिससमें 44 बोरी

पोषण आहार पाया गया। टीम ने मौके पर पंचनामा बनाकर गोडाउन को सील कर दिया है। दूसरी कार्रवाई ग्राम ज्ञानपुरा में धीरज शर्मा के डेयरी फार्म हाउस पर कार्यवाही की गई। यहाँ से 24 बैग और 29 पैकेट अवैध पोषण आहार जप्त किया गया, जिसे तिरला पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया गया है।

गौरतलब है कि यह पोषण आहार धार जिले के देलमी स्थित आजीविका मिशन के संयंत्र में तैयार होता है, जिसे संभाग के 6 जिलों में वितरित किया जाना होता है। सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि सरकारी संयंत्र से निकला राशन आंगनवाड़ी केंद्रों के बजाय निजी डेयरी फार्मों तक कैसे पहुँच गया। विगत दिनों भी इसी क्षेत्र में राशन से भरा एक ट्राला निजी गोडाउन पर खड़ा मिला था। उस समय आजीविका मिशन के कर्मचारियों ने इसे ड्राइवर की गलती बताकर पल्ला झाड़ लिया था और ट्रक वापस संयंत्र ले गए थे। लेकिन शनिवार की कार्यवाही ने साफ कर दिया है कि यह महज गलती नहीं, बल्कि एक सुनियोजित सिंडिकेट है जो बच्चों और गर्भवती महिलाओं के हक का पोषण आहार बाजार में खपा रहा है।

तेंदूखेडा पुलिस ने सूने घर में हुई लाखों की चोरी का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना पुलिस द्वारा क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किया गया माल बरामद किया गया है। 23 मार्च को प्रार्थी अभिषेक पिता खूबनारायण उपाध्याय, उम्र 42 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 11, पंचवटी मंदिर के पास, तेंदूखेडा द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 19 मार्च से 22 मार्च के मध्य अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके सूने घर में प्रवेश कर गोदरेज अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी चोरी कर ली गई है। उक्त रिपोर्ट पर थाना तेंदूखेडा में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदोरिया एवं एसडीओपी तेंदूखेड़ा अर्चना अहीर के मार्गदर्शन में थाना तेंदूखेडा पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई।

टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण, आसपास के लोगों से पूछताछ एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी एकत्र कर तकनीकी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए आरोपी रामकुमार उर्फ कुल्ले पिता गुड्डा रैकवार, उम्र 30 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 09, भटरिया, तेंदूखेडा जिला दमोह को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटना स्वीकार की, जिसके पश्चात उसके कब्जे से चोरी गए सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए गए। जप्तशुदा माल में सोने का एक रानीहार, दो चैन वाले मंगलसूत्र, पांच जोड़ी कान के टॉप्स, एक जोड़ी झुमका, चार सोने की अंगूठियां तथा पांच जोड़ी चांदी की पायलें शामिल हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 6 लाख रुपये है। इस सफल कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक रावेन्द्र सिंह बागरी, प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी, सालिम खान, आरक्षक नीरज नामदेव, विशाल बैन, शैलेन्द्र बघेल, रणधीर सिंह दांगी, राममिलन घोषी एवं विजय दीक्षित का सराहनीय योगदान रहा। थाना तेंदूखेडा पुलिस द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर सतत एवं सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म कर जबरन गर्भपात कराया, आरोपी पर केस

धार। जिले के सादलपुर थाना अंतर्गत ग्राम खेरोद में एक नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म और उसे गर्भपात की दवा खिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता की मां के अनुसार, 22 मार्च को किशोरी को अत्यधिक रक्तस्राव होने पर उसे घबराहट होने लगी। संदिग्ध स्थिति देख जब मां ने कड़ाई से पूछताछ की, तो किशोरी ने आपबीती सुनाई। पीड़िता ने बताया कि गांव के ही एक किशोर ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे। गर्भवती होने की आशंका होने पर आरोपी ने किशोरी को कुछ दवाइयां लाकर खिला दीं, जिससे उसे असहज महसूस हुआ और गंभीर हालत में गर्भपात जैसी स्थिति बन गई। किशोरी की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने पहले उसे धार जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने उसे इलाज के लिए इंदौर रेफर कर दिया। इंदौर के सेंट्रल कोतवाली थाना पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज किए और जीरो पर एफआईआर कायम कर डायरी संबंधित थाना सादलपुर को भेजी। सादलपुर पुलिस ने प्राप्त डायरी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध दुष्कर्म, जानबूझकर गर्भपात कराने और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। चूंकि इस मामले में आरोपी और पीड़िता दोनों ही नाबालिग बताए जा रहे हैं, इसलिए पुलिस सभी वैधानिक पहलुओं को ध्यान में रखकर विवेचना कर रही है। थाना प्रभारी सविता चौधरी ने बताया कि मामले में जीरो पर कायमी प्राप्त हुई थी, जिस पर सादलपुर पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पीड़िता का इलाज जारी है और पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

काल बनकर खेत में गिरी बिजली की चिंगारी, गेहूं की फसल जलकर हुई राख

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र अंतर्गत चौरई इलाके में शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा सामने आया, जहां बिजली का तार टूटने से खेत में खड़ी गेहूं की तैयार फसल में आग लग गई। फायर वहां जब तक पहुंचा देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और लगभग 2 एकड़ में फैली फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसान श्यामलाल घोसी और चन्नू घोसी के खेत में यह घटना हुई। अचानक बिजली का तार टूटकर खेत में गिरा, जिससे चिंगारी उठी और सूखी फसल ने तुरंत आग पकड़ ली। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलती गई और कुछ ही समय में पूरे खेत को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें देखकर आसपास के किसानों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की भरसक कोशिश की, लेकिन आग इतनी तेज थी कि उस पर काबू पाना संभव नहीं हो सका। इस घटना में न केवल गेहूं की फसल नष्ट हुई, बल्कि खेत में रखे कृषि उपकरण भी जलकर खाक हो गए। इस हादसे से प्रभावित किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। किसानों का कहना है कि यह उनकी सालभर की मेहनत थी, जो कुछ ही मिनटों में खत्म हो गई। घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में दहशत का माहौल है

पीड़ित किसानों ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है, ताकि उनके नुकसान की भरपाई हो सके। साथ ही ग्रामीणों ने मांग की है कि बिजली विभाग ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए।

मेट्रो एंकर — स्थायी पुल की मांग जारी, फिलहाल अस्थायी रास्ते से शुरू हुआ सफर

25 किलोमीटर का चक्कर हुआ खत्म, झलौन के पास अस्थायी मार्ग से वाहनों की आवाजाही हुई शुरू

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जबलपुर-सागर मार्ग पर झलौन से लगभग दो किलोमीटर दूरी पर ब्यारमा नदी पर बना झापन पुल 30 जुलाई को हुई अतिवृष्टि के कारण बह जाने से क्षेत्र का प्रमुख मार्ग बाधित हो गया था। इसके चलते आमजन को इमलिया होते हुए लगभग 25 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर आवागमन करना पड़ रहा था, जिससे समय, ईंधन और आर्थिक नुकसान लगातार बढ़ रहा था। इस गंभीर समस्या को लेकर क्षेत्रीय नागरिकों ने कई बार अखबारों के माध्यम से आवाज उठाई तथा क्षेत्रीय विधायक एवं राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी जी को भी अवगत कराया। बावजूद इसके लंबे समय तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई।

स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पुल बहने के बाद यहां तीन लोगों की जान भी जा चुकी है, जिससे क्षेत्र में भय और

आक्रोश का माहौल बना रहा। कुछ समय पूर्व कलेक्टर द्वारा यह जानकारी दी गई थी कि मार्च-अप्रैल में लगभग 3.85 करोड़ रुपए की लागत से अस्थायी मार्ग का निर्माण कराया जाएगा, लेकिन आज दिनांक तक इस संबंध में कोई ठोस प्रगति या जानकारी सामने नहीं आई है। इससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति निराशा बढ़ती जा रही है। प्रशासन की निष्क्रियता के बीच बस मालिकों एवं क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने स्वयं पहल करते हुए जेसीबी मशीनों की मदद से नदी में मुरम डालकर एवं खुदाई कर अस्थायी मार्ग तैयार किया। इस मार्ग से शुक्रवार से छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन पुनः शुरू हो गया है, जिससे लोगों को कुछ हद तक राहत मिली है। हालांकि यह अस्थायी मार्ग पूरी तरह सुरक्षित नहीं है।

विशेषकर रात्रि के समय यहां से गुजरना जोखिम भरा बना रहता है। यदि दो बड़े वाहन आमने-सामने आ जाते हैं तो क्रॉसिंग में भारी दिक्कत होती है। इसके अलावा नदी में रेत का अत्यधिक बहाव (बसुआ) होने के कारण मार्ग और भी खतरनाक हो जाता है। क्षेत्रवासियों ने एक बार फिर शासन-प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द स्थायी पुल निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं और परेशानियों से स्थायी समाधान मिल सके। यह मार्ग क्षेत्र की जीवनरेखा है, और इसके सुचारू संचालन से जनजीवन सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

बांग्लादेश के टीले पड़े तेवर...

आईपीएल टेलीकास्ट पर लगा बैन हटाया, भारत संग सीरीज है बड़ी वजह!

ढाका। तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग2026 से रिलीज किए जाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के बीच संबंध बिगड़ गए थे। बांग्लादेश की तत्कालीन मोहम्मद यूनुस सरकार ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया गया था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप खेलने की इजाजत दी। इसी बीच मोहम्मद यूनुस सरकार ने खुन्नस निकालते हुए अपने देश में आईपीएल के प्रसारण पर बैन लगा दिया था। इस फैसले ने क्रिकेट फैन्स को चौंका दिया था क्योंकि आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा देखी जाने वाली टी20 लीग है। हालांकि अब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है।

बांग्लादेश सरकार की ओर से ग्रीन सिग्नल

बांग्लादेश के सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने साफ शब्दों में कहा है कि सरकार खेल और राजनीति को अलग रखना चाहती है और इंडियन प्रीमियर लीग के प्रसारण पर कोई रोक नहीं लगाएगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई चैनल आईपीएल के मुकाबले दिखाना चाहता है तो सरकार उसे सकारात्मक तरीके से देखेगी। जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, हम खेल को राजनीति से नहीं जोड़ना चाहते। अगर कोई चैनल आईपीएल का प्रसारण करना चाहता है, तो हम उसे कमर्शियल नजरिए से देखेंगे और सकारात्मक फैसला लेंगे। हम किसी को भी टेलीकास्ट से नहीं रोकेंगे। अगर स्टार स्पोर्ट्स टेलीकास्ट करना चाहता है, तो वह कर सकता है। अगर हमारे किसी चैनल को टेलीकास्ट करना है, तो हम सकारात्मक तरीके से उसका स्वागत करेंगे, लेकिन हम किसी पर दबाव नहीं डालेंगे। इससे साफ हो गया है कि अब बांग्लादेश सरकार की तरफ से कोई प्रशासनिक बाधा नहीं रहेगी। केबल ऑपरेटर्स एसोसिएशन की तरफ से भी स्थिति स्पष्ट कर दी गई है। एसोसिएशन के पदाधिकारी रेजाउल करीम लाबलू ने कहा कि फिलहाल आईपीएल टेलीकास्ट को लेकर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा, अगर स्टार स्पोर्ट्स बांग्लादेश में आईपीएल दिखाता है, तो हम उसे प्रसारित कर सकते हैं। हमें इसे रोकने के लिए कोई निर्देश नहीं मिला है।

भारत के बांग्लादेश दौरे से कनेक्शन!

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या आईपीएल पर बदला यह रुख भारत के आगामी दौरे से जुड़ा हुआ है? बांग्लादेश को इस साल सितंबर में अपने घर पर भारत के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। वैसे केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने पर ही भारतीय टीम बांग्लादेश की यात्रा करेगी। भारत-बांग्लादेश के बीच क्रिकेट संबंध हमेशा से अहम रहे हैं, ऐसे में आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट पर नरमी दिखाना एक %डिप्लोमैटिक सिग्नल% भी माना जा रहा है। भले ही बांग्लादेशी सरकार ने इसे सीधे तौर पर नहीं जोड़ा हो, लेकिन टाइमिंग बहुत कुछ कहती है।

आईपीएल 2026 : आरसीबी के सामने चारों खाने चित हुई एसआरएच

विराट कोहली का पावर, देवदत्त पडिक्कल की हिटिंग और जैकब डफी ने लगाया जोर का दम

बेंगलुरु, एजेंसी

बेंगलुरु के एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से मात दी। 28 मार्च (शनिवार) को आयोजित इस मुकाबले में एसआरएच ने आरसीबी को जीत के लिए 202 रनों का टारगेट दिया था। इस टारगेट को आरसीबी ने सिर्फ 15।4 ओवरों में ही हासिल कर लिया। आरसीबी की इस धमाकेदार जीत के तीन बड़े हीरो रहे- विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने पावरप्ले में अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड और नीतीश कुमार रेड्डी के विकेट्स झटककर सनराइजर्स हैदराबाद की रफ्तार पर ब्रेक लगाया। आईपीएल डेब्यूटेंट डफी की सटीक गेंदबाजी के चलते ही सनराइजर्स हैदराबाद बहुत बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। 22 रन देकर तीन विकेट लेने वाले डफी प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत मजबूत रही। विराट कोहली ने एक बार फिर अपने अनुभव का परिचय देते हुए पारी को संभाला और टीम को ठोस आधार दिया। उन्होंने शुरुआत में जोखिम कम लेते हुए पारी को आगे बढ़ाया और फिर मौके मिलते ही रन गति तेज की।

देवदत्त पडिक्कल का दिखा तूफानी अंदाज

दूसरी ओर फिल साल्ट के सस्ते में आउट होने के बाद उतरे देवदत्त पडिक्कल ने बेहद तूफानी बल्लेबाजी की। इम्पैक्ट सब पडिक्कल ने सिर्फ 26 गेंदों पर 61 रन ठोक दिए, जिसमें 7 चौके और 4 छक्के शामिल थे। पडिक्कल और कोहली के बीच दूसरे विकेट के लिए 101 रनों की साझेदारी हुई, जिसने मैच को एकतरफा बना दिया। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों की लाइन-लेंथ बिगाड़ दी। देवदत्त पडिक्कल तो आउट हो गए, लेकिन विराट कोहली की शानदार बैटिंग जारी रही और वो मैच जिताकर ही पवेलियन लौटे। कोहली ने इस दौरान कप्तान रजत पाटीदार (31 रन) के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी की। कोहली ने 5 छक्के और 5 चौके की मदद से 38 गेंदों पर नाबाद 69 रन बनाए। कोहली ने इस दौरान 33 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की। कोहली के आईपीएल करियर का ये 64वां अर्धशतक रहा।

ईशान किशन की पारी काम नहीं आई

मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 201 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। टीम के कप्तान ईशान किशन ने 38 गेंदों में 80 रन की धमाकेदार पारी खेली, जबकि अनिकेत वर्मा (43 रन) और हेनरिक क्लासेन (31 रन) ने भी अहम योगदान दिए। क्लासेन-ईशान के बीच चौथे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी हुई, जिसने सनराइजर्स हैदराबाद के बड़े स्कोर की नींव रखी। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बड़े लक्ष्य को हासिल करते हुए आईपीएल 2026 में जीत के साथ आगाज किया। इस मुकाबले में जहां विराट कोहली का अनुभव, देवदत्त पडिक्कल की आक्रामकता और जैकब डफी की गेंदबाजी देखने लायक रही। वहीं फिल साल्ट की फील्डिंग ने भी मैच में बड़ा फर्क पैदा किया। आईपीएल के इस हाई-वोल्टेज ओपनर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने यह साफ कर दिया कि वह इस सीजन भी खिताब के प्रबल दावेदार है।

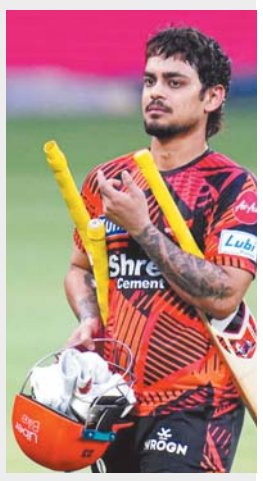

नसीम शाह पर पीसीबी का एक्शन, विवादित पोस्ट को लेकर थमाया कारण बताओ नोटिस

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज नसीम शाह मुश्किलों में फंस गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नसीम शाह को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के ओपनिंग मैच के दौरान उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर की गई है। दरअसल, 26 मार्च (गुरुवार) को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए पीएसएल के उद्घाटन मुकाबले के दौरान नसीम शाह के एसक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट से एक विवादित पोस्ट शेयर हुआ था। इस पोस्ट के जरिए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मिले वीआईपी ट्रीटमेंट पर सवाल उठाए गए थे। पोस्ट में लिखा था, उनके साथ लॉर्ड्स में रानी जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है? हालांकि, यह पोस्ट कुछ ही देर बाद डिलीट कर दिया गया। पोस्ट सामने आने के बाद मामला तेजी से

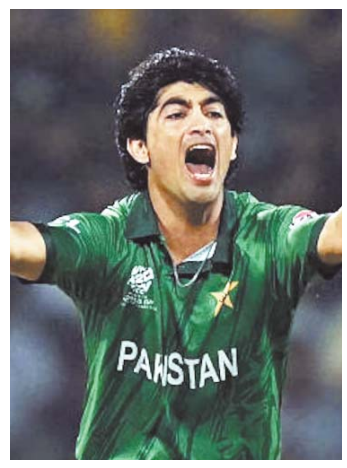

तूल पकड़ गया। बाद में नसीम शाह की ओर से सफाई दी गई कि उनका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो गया था और पोस्ट उनकी ओर से नहीं किया गया था। इसके बावजूद पीसीबी ने इसे गंभीरता से लेते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पीसीबी ने क्या कहा?

पीसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि नसीम शाह को तय समय सीमा के भीतर जवाब देना होगा, बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि वह पेशेवर मानकों, अनुबंध की शर्तों और खेल की गरिमा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, पीसीबी ने यह नहीं बताया कि किस विशेष नियम या क्लॉज का उल्लंघन हुआ है, लेकिन संकेत दिया कि मामला नसीम के जवाब के बाद समीक्षा के लिए रखा जाएगा। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब चंद दिनों पहले ही पाकिस्तान सुपर लीग 2026 की शुरुआत हुई है और कई बड़े मेहमान उद्घाटन समारोह में मौजूद थे। पीसीबी के नियमों के अनुसार, खिलाड़ी सार्वजनिक मंच पर राजनीतिक टिप्पणियों या किसी अधिकारी, संस्था या हितधारक के खिलाफ बयान देने से बचने के लिए बाध्य होते हैं। ऐसे में नसीम शाह का यह मामला बोर्ड की आचार संहिता से जुड़ा अहम मुद्दा बन गया है।

वनडे में अपना बेस्ट प्रदर्शन करेंगे

टी20 सीरीज गंवाने के बाद कप्तान लौरा ने जताया भरोसा

क्राइस्टचर्च। साउथ अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने उम्मीद जताई है कि टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में अपना बेस्ट प्रदर्शन करेगी। साउथ अफ्रीका को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज को 2029 वर्ल्ड कप के क्वालिफिकेशन के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रविवार को क्राइस्टचर्च में होने वाले पहले वनडे मुकाबले से पहले लौरा वोल्वार्ट ने टीम की तैयारियों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, ÷हमने अपनी पिछली गलतियों पर अच्छे से विचार-विमर्श

किया है और कुछ मीटिंग भी की हैं। जाहिर है हम इस वनडे सीरीज में काफी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। यह एक ऐसा फॉर्मेट है जिसमें हमने पिछले कुछ महीनों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि अब हमें यह सोचना होगा कि हमारे लिए क्या चीजें काम आई हैं। खासकर हम यह देखेंगे कि उस वर्ल्ड कप में हमने क्या सही किया था।÷

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

प्रेग्नेंसी में छोड़ा ससुराल- मार भी खाई

दो बार शादी टूटने पर रो पड़ीं मशहूर एक्ट्रेस शिवानी गोसाई

शिवानी गोसाईं टेलीविजन की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने कहानी घर-घर की और कसौटी जिंदगी की जैसे शोज में काम किया है। शिवानी की प्रोफेशनल लाइफ जितनी बेहतर है। पर्सनल लाइफ उतनी ही दर्दभरी रही। एक्ट्रेस ने दो शादियां कीं, लेकिन उनके दोनों रिश्ते असफल रहे। निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए वो रो पड़ीं।

सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी पहली शादी 17 साल की उम्र में हुई थी। उन्होंने सोचा था कि ससुराल में खुशी-खुशी जिंदगी बिताएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शादी के बाद पति और ससुरालवालों ने उन पर आत्याचार करना शुरू कर दिया। उनके कहीं आने-जाने पर पाबंदी थी।

पति बाहर घूमने में बिजी रहता था और वो घर संभाल रही थीं। शिवानी पांच महीने की प्रेग्नेंट थीं, जब आत्याचारों से परेशान होकर उन्हें ससुराल छोड़ना पड़ा। कई लोगों ने उन्हें ऑबर्शन कराने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने मां बनने का फैसला किया। एक्ट्रेस कहती हैं कि मेरी बेटी के जन्म के बाद पति और सास उससे कोई मिलने नहीं आया। मेरी बेटी अकसर पापा के बारे में पूछती थी। फिर पता चला कि उन्होंने दूसरी शादी कर ली। पहली शादी टूटने के बाद शिवानी की जिंदगी में नए शख्स की एंट्री हुई। उन्होंने सोचा कि शायद अब उन्हें सच्चा प्यार मिल गया। पर ऐसा नहीं था। शिवानी के बॉयफ्रेंड ने भी उनके साथ वही किया, जो वो शादी में सह रही थीं। उनका बॉयफ्रेंड बेहद टॉक्सिक था। उनके साथ मार-पीट करता था। तंग आकर शिवानी उस रिश्ते से भी बाहर निकल आईं।

नहीं चली दूसरी शादी

दो बार रिश्ता टूटने के बाद शिवानी की जिंदगी में प्यार ने फिर दस्तक दी। उन्होंने शादी से पहले ही क्लियर कर दिया था कि अब वो और धोखा खान के लिए तैयार नहीं हैं। पर उन्हें भरोसा दिलाया गया कि इस बार उनके साथ कुछ गलत नहीं होगा। पर शायद शिवानी की जिंदगी में प्यार लिखा ही नहीं था। दूसरी शादी में भी उन्हें वही सब झेलना पड़ा, जो उनके साथ पहले हुआ था। उनके हसबैंड ने उन्हें मेंटली, फिजिकली और फाइनेंशियली हर तरह से परेशान किया। सारी चीजों से परेशान होकर शिवानी ने दूसरी शादी भी तोड़ दी। ये सब बताते हुए वो इमोशनल हो गईं और रो पड़ीं। शिवानी एक बेटी की मां हैं और धोखे के बाद अब वो अकेले रहना चाहती हैं।

71 साल का युवा मॉडल, अनुपम खेर ने दिया मॉडलिंग के लिए आवेदन!

अनुपम खेर आज के समय किसी भी पहचान के मोहताज नहीं है। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अभिनय की दुनिया में खास पहचान बनाई है। अभिनेता अपने अभिनय के साथ साथ शरीर पर भी पूरा ध्यान रखते हैं और रोजाना जिम जाते हैं। यही कारण है कि वे 71 की उम्र में भी इतने फिट नजर आते हैं। हाल ही में उन्होंने फॉर्मल कपड़ों के ब्रांड्स से भी आत्मविश्वास के साथ अपील की और कहा कि वह मॉडलिंग करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता हाल ही में एक आयोजन में गए हुए थे, जिसमें वे रेड कलर का फॉर्मल आउटफिट पहनते नजर आ रहे थे। इसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। फॉर्मल कपड़ों में बेहद स्टाइलिश दिखते हुए उन्होंने फॉर्मल वियर ब्रांड्स को सीधे आवेदन कर दिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वे मॉडलिंग करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अनुपम ने लिखा, मैं एक साधारण परिवार से आता हूं, जहां एक अच्छी शर्ट होना भी लग्जरी जैसा लगता था। मैं कभी सोचा नहीं था कि एक दिन मैं सिर्फ फॉर्मल कपड़े पहनूंगा ही नहीं, बल्कि उन्हें स्टाइल के साथ पहनूंगा।उन्होंने आगे बताया कि अब जब वे फॉर्मल कपड़ों वाली तस्वीरों को देखते हैं तो उन्हें लगता है कि उन्होंने खुद को

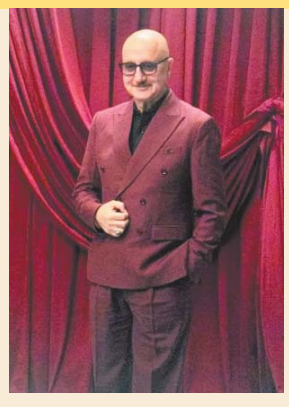

काफी अच्छे से संवार लिया है। अनुपम खेर ने लिखा, 71 साल की उम्र में अपने आप में सेक्सी, एलिगेंट और बहुत आरामदायक महसूस कर रहा हूं और दोस्तों, यही सबसे बेहतरीन आउटफिट है जिसे कोई पहन सकता है। अपने खास अंदाज में हास्य के साथ अनुपम खेर ने सभी फॉर्मल ब्रांड्स को खुला निमंत्रण दिया। उन्होंने लिखा, अगर कोई ब्रांड 71 साल के एक युवा मॉडल की तलाश में है, जो अनुभव, आत्मविश्वास और थोड़ा स्वैग लेकर आए, तो मैं उपलब्ध हूं।

मेट्रो बाजार

मध्य पूर्व संकट से आम के कारोबार और हैंडीक्राफ्ट पर पड़ा असर, निर्यात प्रभावित

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी तनाव का असर भारत के निर्यात पर साफ दिखाई देने लगा है। विशेषज्ञों के मुताबिक पिछले कुछ समय में हैंडीक्राफ्ट, आम जैसे विभिन्न कारोबार पर इसका असर देखने को मिला है। हालांकि अब स्थिति पहले से सुधर रही है और सरकार इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। केसीसीआई के अध्यक्ष जावेद तेंगा ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि हमारा लगभग 50-60 प्रतिशत व्यापार मध्य पूर्व देशों के साथ होता है और खासतौर पर रमजान के दौरान यहां बिक्री काफी बढ़ जाती है। लेकिन इस बार संघर्ष के चलते पूरा कारोबार ठप हो गया है, जिससे निर्यातकों को बड़ा झटका लगा है। जावेद तेंगा ने बताया कि युद्ध के कारण बड़ी मात्रा में निर्यात का सामान भारत में ही फंस गया है। वहीं, जो माल पहले ही भेजा जा चुका था, उसकी पेमेंट भी समय पर नहीं आ रही है। उन्होंने बताया कि एक्सपोर्टर्स की प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट बैंकिंग लिमिट भी लगभग खत्म हो चुकी है, जिससे कारोबार पर दबाव और बढ़ गया है। इस स्थिति को देखते हुए सरकार से कम से कम छह महीने की राहत (एक्सटेंशन) देने की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि हैंडीक्राफ्ट सेक्टर इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।

डब्ल्यूटीओ सम्मेलन में पीयूष गोयल बोले, छोटे मछुआरों की आजीविका की रक्षा जरूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत ने मत्स्य पालन प्रशासन के लिए एक संतुलित और जन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया है। उन्होंने कैमरून में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में चर्चाओं में भाग लेते हुए यह बात कही। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक?स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने %मत्स्य पालन सब्सिडी% पर आयोजित मंत्रिस्तरीय सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत में मत्स्य पालन आजीविका और खाद्य सुरक्षा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्रोत है, जो 90 लाख से अधिक मछुआरों को सहारा देता है। इनमें से अधिकांश मछुआरे छोटे, पारंपरिक और दस्तकारी समुदायों से आते हैं और वे मत्स्य पालन के लिए सतत तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने संरक्षण के प्रति भारत की लंबे समय से चली आ

रही प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया और इसके लिए हर साल मछली पकड़ने पर लगने वाले प्रतिबंध जैसे उपायों का हवाला देते हुए कहा कि देश के दृष्टिकोण में स्थिरता तब से ही एक अभिन्न अंग रही है, जब यह वैश्विक प्राथमिकता भी नहीं बनी थी। गोयल ने यह भी कहा कि क्षमता से अधिक उत्पादन और अत्यधिक मछली पकड़ने की चुनौती मुख्य रूप से भारी सब्सिडी वाले औद्योगिक बेड़ों के कारण है, न कि विकासशील देशों के छोटे पैमाने के मछुआरों के कारण। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक निर्णय निष्पक्ष होने चाहिए और उनका कमजोर समुदायों पर असंतुलित प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मत्स्य पालन सब्सिडी पर मसौदा निर्णय को अपनाने के लिए भारत का समर्थन भी बढ़ाया। साथ ही कहा कि भविष्य के परिणाम न्यायसंगत और विकास-उन्मुख होने चाहिए, जो समुद्री संसाधनों और आजीविका दोनों की रक्षा करें।

सुखना लेक के ऊपर गरजे फाइटर जेट एयर शो ने बढ़ाया लोगों का रोमांच

चंडीगढ़, एजेंसी

भारतीय वायु सेना का दो दिवसीय भव्य एयर शो चंडीगढ़ के प्रसिद्ध सुखना लेक पर आयोजित किया गया। यइस दौरान 'सूर्य किरण' एरोबैटिक टीम ने झील के ऊपर शानदार हवाई करतब पेश किए, जिसमें सुखोई और राफेल जैसे लड़ाकू विमानों की गरजदार उड़ान ने दर्शकों का दिल जीत लिया। विमानों के रोमांचक प्रदर्शन और सटीक एरोबैटिक कौशल ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, और यह शो चंडीगढ़ के लिए एक यादगार अनुभव साबित हो रहा है।

शो देखने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचे। मुख्य अतिथि के तौर पर चीफ सेक्रेटरी राजेश प्रसाद शामिल हुए। एयर शो में बिना प्री-बुकिंग के एंट्री नहीं दी गई। इस दौरान लेक आम लोगों के लिए बंद कर दी गई है।

इस शो में दो पायलट चंडीगढ़ के विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह और दिवाकर शर्मा भी शामिल हुए। इसके साथ ही आर्मी पब्लिक स्कूल चंडी मंदिर के 2005 बैच के छात्र रहे विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह भी सूर्य किरण की एरोबैटिक टीम का हिस्सा रहे और इस टीम को लीड किया। इनके साथ ही फ्लाइट लेफ्टिनेंट कमल संधू भी टीम का हिस्सा रहे।

वहीं इससे पहले सुबह से ही बूंदाबांदी हुई। हालांकि इससे शो पर कोई असर नहीं पड़ा। प्रशासन की तरफ से शो में आने वाले लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था सुखना लेक पर खुले में की गई है।

केरल में मोदी का चुनावी शंखनाद करेंगे रैली और मेगा रोड शो

कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज केरल के दौरे पर रहेंगे। वह 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार में शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री पलक्कड़ में एक रैली और त्रिशूर में एक विशाल रोड भी करेंगे।

पीएम ने भी इस दौरा को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज केरल की जनता के बीच रहने के लिए उत्सुक हूं। पलक्कड़ में एक रैली को संबोधित करूंगा और बाद में त्रिशूर में रोड शो में भाग लूंगा। केरल का माहौल एनडीए के पक्ष में है। लोग एलडीएफ और यूडीएफ के कुशासन से तंग आ चुके हैं।'

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

प्रधानमंत्री के इस दौरे को देखते हुए प्रशासन ने पलक्कड़ और त्रिशूर दोनों जगहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। लोगों की सुविधा और सुरक्षा के लिए दोनों शहरों में ट्रैफिक नियमों में बदलाव किया गया है। एनडीए इस दौरे के जरिए चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक रही है ताकि मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके।

कई वरिष्ठ नेता होंगे शामिल: पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर पलक्कड़ के फोर्ट मैदान में प्रधानमंत्री एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में हजारों कार्यकर्ताओं के पहुंचने की संभावना है। इस रैली में भाजपा के वरिष्ठ नेता और क्षेत्र के एनडीए उम्मीदवारों के शामिल होने की उम्मीद है।

चल समारोह में अंडे फेंकने की अफवाह पर हंगामा विसर्जन के दौरान बवाल

डिंडौरी। डिंडोरी नगर मेंदेर रात मां काली की प्रतिमा विसर्जन के दौरान अंडे फेंके जाने की अफवाह से तनाव फैल गया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर किया और हालात को संभाला।

जानकारी के अनुसार, बस स्टैंड में स्थापित मां काली की प्रतिमा का विसर्जन जुलूस रात करीब साढ़े 11 बजे निकाला जा रहा था। जब जुलूस अस्पताल कॉलोनी क्षेत्र के पास पहुंचा, तो सड़क पर चार से पांच फूटे हुए अंडे मिले। इस घटना से लोगों में आक्रोश फैल गया और देखते ही देखते भीड़ उग्र होने लगी।कुछ लोग मस्जिद मोहल्ले की ओर बढ़ने लगे, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एस डी एम राम बाबू देवांगन और एस डी ओ पी सतीश द्विवेदी सहित भारी पुलिस बल तुरंत सक्रिय हुआ।

चुनाव आयोग ने नाम हटाए या जोड़े जाने की नहीं दी जानकारी

बंगाल: तीसरी सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट जारी ममता के खिलाफ प्रत्याशी उतारेगी कांग्रेस

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में आयोग ने एसआईआर के बाद दूसरी सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट जारी होने के चौबीस घंटे के अंदर ही तीसरी सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट जारी कर दी है। दूसरी सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट शुक्रवार रात को जारी की गई थी, जबकि पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट सोमवार को जारी हुई थी। पिछली लिस्टों की तरह ही, आयोग ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि लिस्ट से कितने नाम हटाए गए या कितने नाम जोड़े गए।

चुनाव आयोग के एक अधिकारी के अनुसार, सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट का मतलब वोटरों के नामों की एक अतिरिक्त लिस्ट से होता है, जिसे अंतिम वोटर लिस्ट प्रकाशित होने के बाद शामिल किया जाता है। इसमें आमतौर पर नए रजिस्टर्ड वोटर, जानकारी में सुधार के बाद दोबारा शामिल किए गए नाम और वेरिफिकेशन के बाद शामिल किए गए नाम शामिल होते हैं। आयोग संबंधित नामों को हटाने वाली लिस्टें भी जारी करता है, जिसमें नाम दोहराए जाने, मृत्यु होने या निवास स्थान बदलने जैसे कारणों से हटाए गए नाम शामिल होते हैं।

चुनाव अधिकारियों ने बताया कि सप्लीमेंट्री लिस्टों को अलग-अलग चरणों में प्रकाशित करने से यह सुनिश्चित होता है कि सभी योग्य वोटर शामिल हो जाएं और साथ ही आने वाले चुनावों से पहले वोटर लिस्टों की सटीकता भी बनी रहे। अधिकारी ने कहा, 'कोर्ट के निर्देशानुसार, अब सप्लीमेंट्री लिस्ट नियमित आधार पर प्रकाशित की जाएगी।'

कांग्रेस का सभी 294 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने कहा कि वह राज्य की सभी 294 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और भवानीपुर में मुख्यमंत्री के खिलाफ उम्मीदवार उतारने से पीछे नहीं हटेगी। यह घोषणा दिल्ली में पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (CEC) की बैठक के बाद की गई, जहां वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीदवारों के चयन पर विस्तार से चर्चा की। पश्चिम बंगाल के लिए AICC प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि पार्टी का इरादा हर निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवार उतारने का है, जो एक पूर्ण-स्तरीय चुनावी मुकाबले का संकेत है। मीर ने एक बताया, 'भवानीपुर से जो भी चुनाव लड़ेगा, वह हमारे लिए एक बड़ा नेता होगा। हम सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार उतार रहे हैं और हम कोई भी सीट खाली नहीं छोड़ रहे हैं।'

एआईएडीएमके ने 17 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की

चेन्नई. तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए एआईएडीएमके ने अपने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी कर दी है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एआईएडीएमके ने रविवार को अपनी तीसरी सूची जारी कर दी। इस सूची में चेन्नई शहर की विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं।

तीसरी सूची में 17 उम्मीदवारों के नाम

पार्टी के महासचिव ई पलानीस्वामी ने वरिष्ठ नेता आधी राजाराम को चेपॉक-तिरुवल्लिकेनी सीट से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, पूर्व मंत्री बी. वलारमथि और एस. गोकुला इंदिरा को क्रमशः थाउजेंड लाइट्स और अन्ना नगर सीटों से मैदान में उतारा गया है। तीसरी सूची में कुल 17 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। पार्टी इससे पहले दो चरणों में 150 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा के लिए एक चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा और 4 मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

इसके अलावा थायगरायनगर से बी. सथियनारायणन, वेलाचेरी से एमके अशोक, शोलिंगनल्लूर से केपी कंथन, डॉ. राधाकृष्णन नगर से आरएस राजेश और विल्लीवक्कम से एसआर विजयकुमार को टिकट दिया गया है। चेन्नई की तिरुवीकानगर (आरक्षित) सीट से ए. पोरकोडी चुनाव लड़ेंगी।

अमेरिका तक हमला करने की क्षमता बढ़ा रहा उत्तर कोरिया! किया एक और टेस्ट

प्योंगयांग। ईरान और अमेरिका-इजरायल में जारी युद्ध के बीच ही उत्तर कोरिया भी सीधे अमेरिका तक वार करने वाली मिसाइल तैयार करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है। रविवार को ही किम जोंग उन के सामने ही सॉलिड फ्यूल इंजन का टेस्ट किया। जिसका इस्तेमाल मिसाइलों में किया जाएगा। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह अमेरिका की धरती तक सीधा वार कर सके।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के

मुताबिक उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ईरान पर हमले को लेकर अमरिका और इजरायल पर भड़के हैं। उन्होंने अपने भाषम में अमेरिका को आतंकवादी तक कह डाला। उत्तर कोरिया ने जिस इंजन का टेस्ट किया है वह 2500 किलोटम का पेलोड ले जा सकता है। सितंबर महीने में भी उत्तर कोरिया ने ऐसे ही एक इंजन का टेस्ट किया था जिसमें 1900 किलोटन भार ले जाने की क्षमता थी।

जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया अमेरिका को सीधी चुनौती देता है और इसलिए वह अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने में लगा है।

न्यूज विंडो

निकाह की दावत में खाना खाते ही 40 से अधिक लोगों बिगड़ी तबीयत

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में उस समय हड़कंप मच गया, जब निकाह की दावत खाने से 40 से अधिक लोगों की हालत बिगड़ गई। शादी कार्यक्रम में बने नॉनवेज (मछली, मीट, पुलाव) खाने के कुछ देर बाद से लोगों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द शुरू हो गया। गंभीर रूप से बीमार लोगों को अलग-अलग सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सीएमओ डॉ. अवधेश यादव ने बताया फिलहाल सभी की हालत स्थिर है। जिला अस्पताल में भर्ती लोगों का इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक, देवा कोतवाली क्षेत्र के लालापुर गांव निवासी मोहम्मद मुफीद की पुत्री सलमा का निकाह था। निन्दूरा ब्लॉक के खिंझना गांव से बारात आई थी। शादी की सभी रस्में पूरी होने के बाद भोजन का आयोजन किया गया। इसमें नॉनवेज के कई व्यंजन परोसे गए थे। भोजन करने के लगभग आधे घंटे बाद ही लोगों को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत शुरू हो गई। निकाह की दावत खाने के बाद देखते ही देखते बीमारों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी।

मंदिर में छत का हिस्सा गिरने से एक श्रद्धालु की मौत, 2 घायल

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के समायपुरम मरियम्मन मंदिर में एक बड़ा हादसा हो गया है। यहां छत का एक हिस्सा गिरने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए हैं। यह घटना सन्नाथी स्ट्रीट मंडपम में हुई, जहां दर्शन के लिए समायपुरम पहुंचे श्रद्धालु सो रहे थे। त्रिची जिला पुलिस के मुताबिक, तंजावुर जिले की रहने वाली 32 वर्षीय नादिया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य दो को आसपास मौजूद श्रद्धालुओं ने बचाया और 108 एम्बुलेंस सेवा की मदद से महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अभेद्य बनेगी आईजीआई एयरपोर्ट की चारदीवारी

नई दिल्ली, एजेंसी

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई एयरपोर्ट) की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए काम किया जा रहा है। एयरपोर्ट प्रशासन ने परिसर के चारों ओर पेरिमीटर वॉल (परिधि दीवार) को अभेद्य बनाने की योजना तैयार की है। इसको अत्याधुनिक तकनीक और मजबूत निर्माण सामग्री से तैयार किया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ को रोका जा सके।

नई व्यवस्था के लागू होने के बाद एयरपोर्ट क्षेत्र में अनाधिकृत प्रवेश लगभग असंभव हो जाएगा। सुरक्षा एजेंसियों को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में भी काफी सुविधा मिलेगी। दीवार के साथ-साथ निगरानी तंत्र को भी अपग्रेड किया जाएगा, जिसमें हाई-

रिजॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरे, सेंसर और अन्य आधुनिक उपकरण शामिल होंगे।

एयरपोर्ट की सुरक्षा में जुड़ेगा नया स्तर: यह परियोजना अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार की जाएगी। इससे एयरपोर्ट की सुरक्षा में एक नया स्तर जुड़ जाएगा। इसका उद्देश्य यात्रियों, कर्मचारियों और एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को

अंदरूनी हिस्से को जोड़ने के लिए बनेगी सड़क

परियोजना में नई सड़क के निर्माण का भी प्रावधान है। यह सड़क एयरपोर्ट के अंदरूनी हिस्सों को आपस में जोड़ने के साथ-साथ रखरखाव और आपातकालीन सेवाओं के लिए आवागमन को आसान बनाएगी। इससे एयरपोर्ट के संचालन से जुड़े वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित होगी और कामकाज में तेजी आएगी। मानसून में नहीं होगी पानी जमा होने की समस्या प्रोजेक्ट के तहत सीवर लाइन और ड्रेनेज लाइन का निर्माण भी किया जाएगा।

अधिक सक्षम बनाया जाएगा। एयरपोर्ट क्षेत्र में उपयोगिताओं (यूटिलिटीज) के विकास को लेकर यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।

पंजाब के बरनाला में मकान गिरने से तीन युवकों की मौत

बरनाला। पंजाब के बरनाला जिले के गांव फरवाही में सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जब एक मकान अचानक गिरने से तीन मजदूर युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक की तलाश जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विशाल पुत्र जीवन कुमार निवासी फरवाही का मकान सीवरेज का पानी नींव में जाने के कारण एक तरफ से कमजोर होकर बैठ गया था। इस मकान की मरम्मत का काम रणजीत ठेकेदार निवासी मोगा द्वारा किया जा रहा था और मकान को ऊपर उठाने का

कार्य चल रहा था। शनिवार रात चार युवक बॉबी सिंह, प्रिंस, गुरजीत सिंह और एक अज्ञात युवक (सभी निवासी मोगा) उसी मकान के अंदर सो रहे थे। रविवार सुबह अचानक मकान की एक दीवार झुक गई, जिससे पूरा ढांचा भरभराकर गिर पड़ा।

मेट्रो एंकर

यात्रियों की समस्याओं के समाधान के लिए रेलवे प्रशिक्षित और पेशेवर अटेंडेंट नियुक्त करेगा

रेल यात्रा होगी अब और भी सुखद, एक्सपर्ट रहेंगे आपकी सेवा में

नई दिल्ली, एजेंसी

ट्रेन में मिलने वाली सेवाओं को सचमुच यात्रियों के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय रेलवे ने प्रशिक्षित और पेशेवर ट्रेन अटेंडेंट रखने का फैसला किया है। ये यात्रियों की जरूरतों का असरदार तरीके से पूरा करेंगे। इन अटेंडेंट के पास पेशेवर जानकारी होगी। वे बुनियादी शैक्षिक मानकों को पूरा करेंगे और उन्हें अर्ध-कुशल कर्मचारियों के तौर पर प्रशिक्षित किया जाएगा।

लंबी दूरी की ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक सुखद यात्रा के लिए आराम सफाई और समय पर मदद मिलना बहुत जरूरी है। हालाँकि, ट्रेन में सफाई की मौजूदा व्यवस्था अक्सर इसलिए ठीक से काम नहीं कर पाती, क्योंकि इसमें काम करने वाले अटेंडेंट बिना ट्रेनिंग वाले और गैर-पेशेवर होते हैं। इसकी वजह से

शिकायतों को दूर करने में देरी होती है, कोच का रखरखाव ठीक से नहीं हो पाता और यात्रियों को परेशानी होती है। लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रियों के लिए स्वच्छ, हाइजीनिक और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने में ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विसेज एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी तरह एसी कोचों में अटेंडेंट ऑन-बोर्ड लिनेन की गुणवत्ता और उपलब्धता को संभालने के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसका सीधा असर यात्रियों के आराम पर पड़ता है।

हालांकि पिछले कई सालों से लगातार निगरानी के प्रयासों के बावजूद यात्रियों को अक्सर सेवा की गुणवत्ता में कमी का अनुभव हुआ है। इसमें अनुरोधों पर देर से जवाब मिलना और चादर-कंबल के प्रबंधन में कमी शामिल है। इसका मुख्य कारण यह रहा है कि इस काम के लिए ऐसे एजेंसियों को लगाया गया जो प्रशिक्षित नहीं थे और पेशेवर भी नहीं थे। इसका नतीजा यह हुआ कि काम संतोषजनक नहीं रहा और 'रेल मदद' पर शिकायतों की संख्या काफी बढ़ गई।

यात्रियों का नजरिया

उत्तराखंड के लक्सर के रहने वाले और अक्सर यात्रा करने वाले यात्री संजीव कुमार ने ईटीवी भारत को बताया, 'ट्रेनों में पढ़े-लिखे और सेमी-स्किल्ड अटेंडेंट (सहायक) रखने से यात्रियों के अनुभव में एक बड़ा बदलाव आ सकता है। इससे उन छोटी-मोटी दिक्कतों को दूर करने में मदद मिलेगी, जिन पर पहले अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता था और शिकायतों की संख्या भी कम होगी।' बिहार के एक अन्य यात्री दयानंद सिंह ने कहा, 'यह एक स्वागत योग्य कदम है। खासकर लंबी यात्राओं के लिए। मुझे उम्मीद है कि अब यात्रियों को ज्यादा आराम मिलेगा और ट्रेन के अंदर मिलने वाली सुविधाओं में भी सुधार होगा। पहले स्किल्ड कर्मचारियों की कमी के कारण छोटी-मोटी दिक्कतें अक्सर अनसुनी रह जाती थी लेकिन इस पहल से ऐसी समस्याओं का समाधान ज्यादा बेहतर तरीके से होने की उम्मीद है।'

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564